

बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”

पटना, वर्ष: 7 , अंक: 250 , रविवार, 25 अक्टूबर 2026 मूल्य: 5:00, पृष्ठ:8 9471060219, 9470050309 www. bordernewsmirror@gmail.com



महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में डिजिटल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित...

03



एल.एन.डी. कॉलेज की बेटी माही गुप्ता का राष्ट्रीय मंच पर चयन, कर्तव्य पथ की...

04

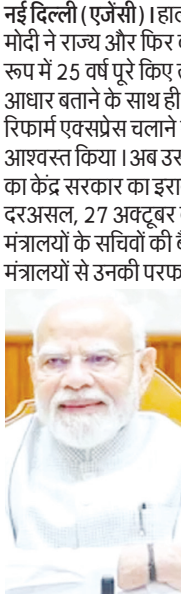
सस्पेंस हो तो ऐसा! रिलीज के दो साल बाद OTT पर छाई जबरदस्त हॉरर...

07



संक्षिप्त समाचार

कैबिनेट विस्तार से पहले पीएम मोदी करेंगे बैठक



नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य और फिर केंद्र सरकार के मुखिया के रूप में 25 वृषे किए तो जनविश्वास को इसका आधार बताने के साथ ही नई ऊर्जा से काम और रिकार्ड एक्सप्रेस चलाने के प्रति भी देशवासियों को आश्वस्त किया। अब उसी दिशा में प्रयास तेज करने का केंद्र सरकार का इरादा दिखाई दे रहा है। दरअसल, 27 अक्टूबर को कैबिनेट सचिव ने सभी मंत्रालयों के सचिवों की बैठक बुलाई है। इसमें मंत्रालयों से उनकी परफार्मेंस रिपोर्ट ली जाएगी। वह समग्र रिपोर्ट प्रधानमंत्री तक जाएगी, जिसके बाद ईज आफ इंड्रंग और ईज आफ लिविंग बढ़ाने की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय किए जा सकते हैं। एक मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कैबिनेट सचिवालय से सभी मंत्रालयों से कहा गया है कि वर्तमान में चल रही योजनाओं, उनकी प्रगति, जनता को मिल रहे लाभ के साथ ही भविष्य के लिए प्रस्तावित कार्ययोजनाओं पर पूरी रिपोर्ट तैयार की जाए। 27 अक्टूबर को कैबिनेट सचिव द्वारा सभी मंत्रालयों के सचिवों से क्रमवार जानकारी लेकर कामकाज की समीक्षा की जाएगी। पीएम मोदी के सामने प्रस्तुत की जाएगी रिपोर्ट- बताया गया है कि यह रिपोर्ट पीएम मोदी के सामने प्रस्तुत की जाएगी। इसके बाद उच्चस्तरीय बैठक के बाद कुछ निर्णय किए जा सकते हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी लगातार रिकार्ड, परफार्म और ट्रांसफार्म पर जोर देते हैं। उनका मानना है कि व्यापार करने में सुगमता के साथ ही ईज आफ लिविंग यानी जीवन जीने में सुगमता शहरों के साथ ही कस्बों और गांवों तक भी पहुंचनी चाहिए। सरकार के इस ताजा प्रयास को जानना होगा।

केरलम राज्यपाल ने पद संभालते ही नॉनवेज रोका

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरलम के नए राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर के पद संभालने के कुछ घंटे बाद ही लोकभवन में मांसाहारी खाना बनाने और परोसने पर रोक लगा दी। कांग्रेस और विपक्षी सीपीएम ने इस फैसले की आलोचना की। कांग्रेस ने कहा कि क्या अब राज्यपाल तय करेंगे कि क्या खाना है। राज्यपाल कार्यालय के सूत्रों ने कहा कि माथुर शाकाहारी हैं। इसी वजह से उन्होंने यह बदलाव कराया। सूत्रों ने साफ किया कि लोकभवन के कर्मचारियों के खाने पर कोई रोक नहीं लगाई गई है।



माथुर ने शुक्रवार सुबह केरलम के 29वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। केरल हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सीमेन सेन ने उन्हें पद की शपथ दिलाई थी। केरलम में 97 फीसदी लोग मांसाहारी हैं। देश में सबसे ज्यादा नॉन-वेज खाने वाले लोग तेरंगाना में हैं। लोकसभा सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सिर्फ शाकाहारी खाना बनाने का निर्देश देकर राज्यपाल ने हद पार कर दी है। उन्होंने कहा कि केरलम की खान-पान की संस्कृति अलग है। तटीय राज्य होने के कारण यहां मछली भी बड़ी मात्रा में उपलब्ध है। राज्य के लोग शाकाहारी या मांसाहारी भोजन चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। सूत्रों के मुताबिक, लोकभवन की रसोई में तैयार खाना सिर्फ राज्यपाल और उनके निजी स्टाफ के कुछ सदस्यों को दिया जाता है।

हर बूथ पर बढ़ाएं अपनी विचारधारा के वोट:सीएम

● चुनाव से पहले यूपी के मुख्यमंत्री योगी का निर्देश

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पार्टी संगठन और विधायकों को बूथ स्तर पर मोर्चा संभालने के कड़े निर्देश दिए हैं। वीडियो ब्रॉ-कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश भर के भाजपा विधायकों, प्रदेश पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान का पूरी मुस्तेदी से चलाने का अल्टीमेटम दिया। सीएम ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत हर पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल करना अनिवार्य है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही पार्टी को नुकसान पहुंचा सकती है। यदि ग्रामीण क्षेत्रों के मतदाताओं के नाम गांवों की सूची में दर्ज हैं और वे अब शहरी इलाकों में रह रहे हैं, तो उनके नाम शहर की मतदाता सूची में ट्रांसफर करने के लिए अभियान चलाएं। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने जिलाध्यक्षों को सख्त लहजे में हिदायत देते हुए कहा कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण प्रक्रिया में केवल खानापूर्ति या लीपापोती नहीं होनी चाहिए।



इंस्टाग्राम के बाद अब ‘एक्स’ पर आई सोनिया गांधी

● वीडियो में बताया राजीव गांधी के साथ पहली मुलाकात का किस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इंस्टाग्राम के बाद एक्स पर भी डेब्यू किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के साथ उनकी प्रेम कहानी की शुरुआत 1965 में इंग्लैंड के कैम्ब्रिज में द वारसिटी नाम के एक छोटे से ग्रीक रेस्तरां में हुई थी। एक्स पर अपनी पहली पोस्ट में सोनिया गांधी ने अपनी आने वाली किताब बिलॉगिंग अ जर्नी ऑफ लव के बारे में बात की। यह किताब 10 नवंबर को रिलीज होने वाली है। उन्होंने राजीव गांधी के साथ बिताए अपने जीवन की निजी यादें भी साझा कीं और



पुरानी यादों व तस्वीरों के जरिए अपने रिश्ते के शुरुआती दिनों की एक झलक पेश की। ग्रीक रेस्तरां में शुरू हुआ प्यार का सफर- उन्होंने कहा, कैम्ब्रिज के एक छोटे से ग्रीक रेस्तरां में मेरे प्यार का सफर शुरू हुआ। राजीव और मैंने प्यार,

हंसी और यादों से भरी एक दुनिया बनाई। 10 नवंबर को मैं उस दुनिया को आपके साथ साझा कर रही हूं। 1965 में कैम्ब्रिज के एक ग्रीक रेस्तरां में हुई अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए सोनिया ने राजीव और उन खूबियों के बारे में आत्मीयता से बात की।

हम अक्सर करते थे पार्टियां

उन्होंने याद किया कि कैसे वह रेस्तरां उनके रिश्ते की शुरुआत की जगह बना। सोनिया ने याद करते हुए बताया, उसी रेस्तरां में मेरी मुलाकात राजीव से हुई थी। जब मैं उनसे पहली बार मिली तो मुझे तुरंत ही लग गया कि वह ऐसे इसान हैं जिनके साथ रहना मुझे बहुत अच्छा लगेगा। और जाहिर है उन्हें भी ऐसा ही महसूस हुआ। मुझे याद है कि जब हम पहली बार मिले थे तो एक कॉमन दोस्त ने हमारा परिचय कराया था और फिर हम दोस्त बन गए। हम अक्सर दोस्तों के साथ पार्टियों में जाया करते थे।

वो पल कभी नहीं भूल सकती

राजीव गांधी के व्यक्तित्व को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उनके सौम्य स्वभाव ने शुरुआत से ही उन पर गहरी छाप छोड़ी थी। उन्होंने आगे कहा, वे देखने में बहुत सौम्य व्यक्ति थे। बेशक वे बहुत आकर्षक भी थे लेकिन उनके व्यक्तित्व में वह सौम्यता साफ झलकती थी। इस बात ने मुझे गहराई से प्रभावित किया। जब मैं उनसे पहली बार मिली थी तो वह पल मैं कभी नहीं भूल सकती। इससे पहले गुरुवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर भी कदम रखा। वहां उन्होंने एक संदेश साझा किया, जिसमें उन्होंने अपनी आने वाली संस्मरण पुस्तक के बारे में बताया और पाठकों के सामने इसकी पहली झलक पेश कर पाने के लिए आभार व्यक्त किया। सोनिया गांधी ने अपनी पहली इंस्टाग्राम पोस्ट में किताब की पहली झलक साझा करते हुए लिखा, सभी को नमस्ते आप सबके साथ इस पल को साझा करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। बिलॉगिंग अ जर्नी ऑफ लव की पहली झलक। यह प्यार, कर्तव्य, नुकसान और अपनेपन की जगह खोजने की कहानी है। मुझे इसे आप सबके साथ साझा करना का बेसब्री से इंतजार है। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में सोनिया गांधी अपनी किताब की पहली प्रतियां प्राप्त करती हुई और अपनी बेटी तथा कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड़ा के साथ मिठाइयां बांटती हुई दिखाई दे रही हैं। दोनों को एक-दूसरे को गले लगाते हुए भी देखा गया।

भारत का मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ को अमेरिका में एफबीआई ने गिरफ्तार किया है। हिमांशु पर दिल्ली, हरियाणा समेत कई राज्यों में मर्डर, हत्या की कोशिश, रंगदारी और हथियारों की तस्करी जैसे करीब 30 से ज्यादा गंभीर मामले दर्ज हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी सामने आई है। इंटरपोल ने उसके खिलाफ 2023 में रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। हरियाणा पुलिस ने उस पर 2.5 लाख और दिल्ली पुलिस ने 1 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। 2022 में हरियाणा में 24 घंटे में तीन हत्याओं के बाद हिमांशु चर्चा में आया था।



जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा सदिध पकड़ाया

फोन में अतंकी मसूद अजहर की ऑडियो विलप मिली

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई एंटी टेररिस्ट स्क्वाड ने माहिम इलाके से 33 साल के मोहम्मद हसन अबू सरमद अख्तर को गिरफ्तार किया है। उस पर आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने का आरोप है। आरोपी बिहार का रहने वाला है और मुंबई में रैपिडो ड्राइवर था। एटीएस के मुताबिक, आरोपी के मोबाइल फोन की



जांच में भड़काऊ पोस्ट और जैश-ए-मोहम्मद सरगना मसूद अजहर की ऑडियो विलप मिली हैं। जांच एजेंसी उसके सोशल मीडिया अकाउंट और एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ी गतिविधियों की भी जांच कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी की सोशल मीडिया गतिविधियों और एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़े सुरागों के आधार पर मामला सामने आया। पुलिस का आरोप है कि वह सोशल मीडिया पर जैश-ए-मोहम्मद को बढ़ावा देने वाली सामग्री पोस्ट करता था। एटीएस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों से संपर्क थे या नहीं। मामले की जांच मुंबई एटीएस की कालाचौकी यूनिट कर रही है।

देश में डिजिटल क्रांति से बदलेगी खेती

● तय समय से 5 महीने पहले बनीं 11 करोड़ फार्मर आईडी ● केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जताई बेहद खुशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2027 तक 11 करोड़ किसानों की फार्मर आईडी बनाने का लक्ष्य रखा था लेकिन इसे पांच माह पहले हुए हासिल कर लिया गया है। देश में 11 करोड़ किसानों की फार्मर आईडी बनने पर केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा है कि आज का दिन भारतीय खेती, कृषि और किसानों के लिए ऐतिहासिक है। एक सपना साकार हुआ है, एक संकल्प पूरा हुआ है।

पीएम मोदी द्वारा तय किए लक्ष्य का किया जिक्र- उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने लक्ष्य तय किया था

कि मार्च 2027 तक 11 करोड़ फार्मर आईडी बन जाने चाहिए। लेकिन तय समय से 5 महीने पहले ही 11 करोड़ फार्मर आईडी बनाने का काम



पूरा हो गया। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने बताया कि अब यह फार्मर आईडी के माध्यम से योजनाओं का पारदर्शी तरीके से लाभ मिलेगा। बैंक का ऋण हो, कोई कागज के पेट नहीं भरने पड़ेंगे, कि बार-

बार यह कागज लाओ, वह कागज लाओ। फसल बीमा योजना का लाभ हो, आपदा राहत की राशि हो, अपनी फसल को बेचना हो, ऐसे कई कामों के

लिए फार्मर आईडी पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि सही किसान को ही लाभ मिलेगा और आधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग, किसानों की खेती को आसान और बहुत बेहतर बनाएगा।

इंडो-पैसिफिक क्षेत्रीय वार्ता की मेजबानी करेगी अपनी नौसेना

3 सितंबर से होगा संवाद, 18 देशों के एक्सपर्ट होंगे शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना तीन से पांच नवंबर तक नई दिल्ली में इंडो-पैसिफिक रणनीतिक वार्ता की मेजबानी करेगी। इस दौरान कई देशों के विशेषज्ञ समुद्री विज्ञान, महासागरों के प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने की क्षमता और उभरती प्रौद्योगिकियों पर विचार-विमर्श करेंगे। शुक्रवार को रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि इस कार्यक्रम के पहले दिन तथा मंत्री राजनाथ सिंह का संबोधन होगा। मंत्रालय के अनुसार, इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में मंत्रिस्तरीय एवं अन्य विशेष संबोधनों के साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र के 18 देशों के समुद्री पेशेवरों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों के योगदान भी शामिल होंगे।



18 देशों के विशेषज्ञ होंगे शामिल

इसने बताया कि इस सम्मेलन में 18 देशों के विशेषज्ञ एकत्र होंगे और इसमें शैक्षणिक नेटवर्क, समुद्री विज्ञान, महासागरों के प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने की क्षमता तथा उभरती प्रौद्योगिकियों पर विचार-विमर्श किया जायेगा। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस संवाद के पिछले संस्करणों में हिंद-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) के सात परस्पर जुड़े समुद्री प्राथमिकता क्षेत्रों के चुनिंदा पहलुओं पर विचार किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवंबर 2019 में बैंकॉक में आयोजित 14वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में इस पहल की घोषणा की थी।

कश्मीर में प्रतिबंधित संगठन से जुड़े 6 लोग हुए गिरफ्तार

● इनमें चार महिलाएं शामिल, होटल में हुई सीक्रेट बैठकें

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में प्रतिबंधित संगठन इतेहाद-उल-मुस्लिमीन से जुड़ाव के आरोप में 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 4 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस को शक है कि इस नेटवर्क को सीमा पार से फंडिंग मिली थी। पुलिस के मुताबिक, बांदीपोरा और आसपास के इलाकों में 14 से 15 सीक्रेट बैठकें हुई थीं। इनमें से 5 से 6 बैठकें बांदीपोरा-बारामूला रोड पर स्थित एक छोटे होटल में किए जाने की बात सामने आई है। जांचकर्ताओं को एक साल से ज्यादा समय में करीब 77 से 8 लाख के सदिध लेन-देन का पता चला है। मामले में यूएपीए की धारा 10 और 13 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस फंडिंग के स्रोत और नेटवर्क से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। जांच की शुरुआत वहीद अहमद भट से हुई- पुलिस के मुताबिक, जांच कुपवाड़ा जिले के हदवाड़ा निवासी वहीद अहमद भट से शुरू हुई। उसे 2022 में एक सम्मेलन के बाद यूएपीए के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था।



सैन्यबलों के लिए बनेगा खास ब्रॉडबैंड नेटवर्क

● देशभर के 30 लाख कर्मियों को मिलेगी सुविधा ● गृह मंत्रालय का आदेश, डिजिटल दुनिया की ओर पुलिस



सुरक्षा और आपदा राहत से जुड़े विभाग शामिल- गृह मंत्रालय के प्रस्तावित नेटवर्क का नाम ब्रॉडबैंड पब्लिक प्रोटेक्शन एंड डिजास्टर रिलीफ है। यह देशभर में सार्वजनिक सुरक्षा और आपदा राहत से जुड़े विभागों के लिए तैयार किया जाएगा। इस नेटवर्क के तहत मिशन क्रिटिकल पुश-टू-टॉक मिशन क्रिटिकल डेटा

और मिशन क्रिटिकल वीडियो जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। इससे संबंधित कर्मियों को तत्काल आवाज सदेश भेजने, जरूरी डेटा साझा करने और वीडियो के जरिए स्थिति की जानकारी देने में मदद मिल सकती है। इस व्यवस्था के दायरे में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल,

30 लाख उपकरणों की जरूरत, तीन श्रेणियों में बांटने की योजना

गृह मंत्रालय के मुताबिक, इस परियोजना के लिए करीब 30 लाख हर्डेट की जरूरत का अनुमान है। इन्हें कर्मियों की जिम्मेदारियों और कार्यस्थल की आवश्यकताओं के अनुसार अलग-अलग श्रेणियों में बांटने की योजना है। मंत्रालय के अनुसार, फील्ड में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों को कठिन परिस्थितियों में काम करने के अनुकूल बनाया जाएगा। वरिष्ठ अधिकारियों के लिए स्मार्टफोन श्रेणी के उपकरण और अन्य जरूरतों के लिए स्थिर या वाहन में लगाए जाने वाले उपकरण प्रस्तावित हैं। बॉडी-वॉर्न कैमरों यानी शरीर पर लगाए जाने वाले कैमरों की संख्या अभी तय नहीं की गई है। इस परियोजना के लिए गृह मंत्रालय को 814-824 मेगाहर्ट्ज और 859-869 मेगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम का सैद्धांतिक आवंटन मिला है। ये फ्रीक्वेंसी सामान्य मोबाइल ब्रॉडबैंड के प्रचलित बैंड से अलग हैं। मंत्रालय ने इन फ्रीक्वेंसी पर काम करने वाले रेंडियो उपकरणों और व्यावसायिक रूप से उपलब्ध डिवाइस की जानकारी भी मांगी है। इससे नेटवर्क के लिए जरूरी तकनीकी उपलब्धता और उसकी व्यावहारिक उपयोगिता का आकलन किया जा सकेगा। फिलहाल यह परियोजना नेटवर्क की संरचना, तकनीक और उपकरणों की जरूरत तय करने के चरण में है।

संक्षिप्त

समाचार

मुखिया को गोली मारने की धमकी, जमीन विवाद में दो भाइयों पर एफआईआर

हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर में पंचायत मुखिया शिवनारायण राय और उनके परिवार को जमीन विवाद में जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। मुखिया की पत्नी किसमतिया देवी ने दो भाइयों पर गाली-गलौज करने और अवैध हथियार दिखाकर धमकी देने का आरोप लगाया है। उनके आवेदन पर बिदुपुर थाने में FIR दर्ज की गई है। FIR के मुताबिक, घटना 23 अक्टूबर 2026 की रात करीब 8 बजे की है। किसमतिया देवी घर के बाहर टहल रही थीं। इसी दौरान बलवंत राणा और यशवंत राणा बाइक (BR 31 AU 0293) और एक अज्ञात वाहन से वहां पहुंचे। आरोप है कि दोनों ने किसमतिया देवी और उनके बेटे के साथ गाली-गलौज की। इसके बाद गोली मारने की धमकी देकर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले मथुरा पंचायत में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हुई थी। इस मामले में FIR दर्ज कराई गई थी। दूसरे पक्ष को गलतफहमी हो गई कि प्राथमिकी मुखिया शिवनारायण राय ने दर्ज कराई है। इसी बात को लेकर मुखिया के परिवार को धमकी दी गई। बिदुपुर थानाध्यक्ष रवि प्रकाश ने बताया कि मथुरा पंचायत में दो पट्टीदारों के बीच जमीन विवाद को लेकर मारपीट हुई थी। इस मामले में एक पक्ष ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दूसरे पक्ष को गलतफहमी हुई कि मुखिया शिवनारायण राय ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। इसी बात को लेकर मुखिया के साथ गाली-गलौज की गई। उन्होंने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

चाकू हमले के आरोपी के घर नोटिस चस्पा

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र में अमर कुमार पर हुए जानलेवा चाकू हमले के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। आरोपी नीरज कुमार के घर पहुंचकर पुलिस अधिकारी राजेश कुमार ने पुलिस बल की मौजूदगी में कुर्की-जब्तौ से संबंधित नोटिस चस्पा कराया। पुलिस ने आरोपी को जल्द से जल्द न्यायालय में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। साथ ही कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं करने पर आगे की कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले बिदुपुर थाना क्षेत्र में मौजि लाल महतो के पुत्र अमर कुमार पर चाकू से जानलेवा हमला किया गया था। मामले में कपिल महतो के पुत्र नीरज कुमार को आरोपी बनाया गया है। पुलिस आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है। इसी क्रम में पुलिस अधिकारी राजेश कुमार पुलिस बल के साथ आरोपी के घर पहुंचे और वहां नोटिस चस्पा कराया। इस कार्रवाई का उद्देश्य आरोपी को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने के लिए निर्देशित करना है। पुलिस ने आरोपी को जल्द न्यायालय में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। ऐसा नहीं करने पर आगे सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। कार्रवाई के दौरान घर पर बुलडोजर चलाने की चेतावनी दिए जाने की बात भी सामने आई है। हालांकि, किसी मकान पर बुलडोजर कार्रवाई के लिए संबंधित कानून और निर्धारित प्रक्रिया का पालन जरूरी है। केवल नोटिस चस्पा होने से ऐसी कार्रवाई स्वतः अधिकृत नहीं हो जाती। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद हल्के में मामले को लेकर चर्चा तेज हो गई है। अब आरोपी के न्यायालय में आत्मसमर्पण करने और पुलिस की आली कार्रवाई पर नजर है। फिलहाल, पुलिस की ओर से आरोपी को जल्द कोर्ट में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है।

पूर्व सैनिक ने भाई की गोली मारकर की हत्या

हाजीपुर। वैशाली में पूर्व सैनिक ने अपने छोटे भाई की 2 गोली मारकर हत्या कर दी। एक गोली सोने में और दूसरा गोली गर्दन में लगी है। यह घटना करताहां थाना क्षेत्र के धनुषी गांव में हुई। मृतक की पहचान घटारो दक्षिणी वार्ड 13 निवासी स्व जय दयाल सिंह के बेटे सोमनाथ सिंह(60) के रूप में हुई है। वहीं आरोपी बड़े भाई की पहचान सुरेश सिंह(65) के रूप में हुई है। वो भारतीय सैनिक और इन्कम टैक्स विभाग से सेवानिवृत्त हैं। मृतक सोमनाथ सिंह तीन भाई में माझिल थे। जबकि आरोपी सुरेश सिंह बड़े भाई हैं। मृतक के दो बेटे हैं। विकास भारद्वाज प्रिन्ज चौधन सीमेंट में मैनेजर के पद पर कार्यरत है, जबकि दूसरा विभाष भारद्वाज नेवी में कार्यरत है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से भाई को गोली मारी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, हत्या की वजह आपसी झगड़ा बताया जा रहा है। घटना के बाद आरोपी पूर्व सैनिक अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर के साथ वैशाली एसपी कार्यालय पहुंचा और आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस को जानकारी मिलते ही वह मामले की जांच में लग गई है। पुलिस हत्या के सही कारणों का पता लगा रही है। SDPO गोपाल मंडल ने बताया कि मृतक सोमनाथ सिंह और आरोपी भाई सुरेश सिंह के बीच पैतृक संपत्ति जमीन जायदाद को लेकर विवाद चल रहा था। कई बार पंचायत हुआ था, लेकिन समझौता नहीं हुआ था। इसी बीच बड़े भाई सुरेश सिंह ने अपने छोटे भाई की गोली मारकर हत्या कर दी। घटनास्थल से पांच खोखा बरामद किया गया है। जबकि मृतक सोमनाथ सिंह के शरीर पर दो जख्म का निशान मिला है। घटना के बाद आरोपी ने खुद को रिवॉल्वर के साथ हाजीपुर SP कार्यालय में सरेंजर कर दिया है।

ट्रक ने एम्बुलेंस को मारी टक्कर, 2 लोग गंभीर घायल

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज थाना क्षेत्र में ट्रक ने एम्बुलेंस को तेज टक्कर मार दी। इस हादसे में एम्बुलेंस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।एम्बुलेंस चालक समेत दो लोग गंभीर घायल हो गए। घटना लालगंज-हाजीपुर मुख्य मार्ग पर नामिडीह महावीर मंदिर के पास हुई। ये एम्बुलेंस मरीज को हाजीपुर पहुंचाकर वापस लौट रही थी। घायलों की पहचान लालगंज के अताउल्लापुर मिल्की गांव निवासी मोहम्मद वसीम और मोहम्मद मुमताज के तौर पर हुई है। स्थानीय लोगों और पुलिस ने उन्हें लालगंज के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। उनकी हालत नाजुक है। हादसे के बाद ग्रामीणों ने ट्रक को पकड़ लिया। लालगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच कर रही है।

प्रेँक के नाम पर युवक ने महिला से की अभद्रता, वैशाली पुलिस ने थाने बुलाकर दी सख्त चेतावनी



हाजीपुर। वैशाली में प्रैंक के नाम पर महिला के प्रति अभद्र और आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग कर वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड करने का मामले सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने संबंधित व्यक्ति को थाने लाकर पूछताछ की और भविष्य में इस तरह की हरकत नहीं करने की सख्त चेतावनी दी। पुलिस ने सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए आपत्तिजनक वीडियो को डिलीट कराया। साथ ही, संबंधित व्यक्ति से अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफीनामा वीडियो भी बनवाया गया। इसके बाद उससे बंधपत्र भ्रवाकर भविष्य में ऐसी गलती नहीं दोहराने की हिदायत देते हुए मुक्त कर दिया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि प्रैंक और मनोरंजन के नाम पर किसी व्यक्ति की गरिमा, सम्मान एवं प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाना स्वीकार्य नहीं है। सोशल मीडिया का उपयोग जिम्मेदारी, शालीनता और सामाजिक मर्यादाओं के अनुरूप किया जाना चाहिए। ऐसी अनुचित गतिविधियों में शामिल लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। वैशाली पुलिस की अपील: मनोरंज के नाम पर किसी का अपमान न करें। सोशल मीडिया पर मर्यादा और सम्मान बनाए रखें।

मंदिर में चढ़ावा के लिए डेढ़ साल के भाई की सिर काटकर हत्या

एजेंसी, पटना

पटना जिले के पालीगंज में डेढ़ साल के बच्चे की हत्या का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि बच्चे का मंदिर में चढ़ावा दिया गया है। घटना रानीतालाब थाना क्षेत्र के जीतन छपरा गांव की है। गांव के दुर्गा मंदिर में बच्चे का सिर दिया, फिर शव को कंधे पर रखकर घर जा रहा था। इसी दौरान ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़ लिया। मृतक बच्चे की पहचान मनीष के रूप में हुई है।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। मृतक बच्चे की मां के बयान पर पुलिस ने बच्चे के बड़े भाई अजीत कुमार उर्फ बाला (22) पर हिरासत में लिया है। पुलिस ने अजीत से पूछताछ कर रही है। घटनास्थल पर FSL टीम भी जांच शुरू कर दी है। शनिवार सुबह करीब 10 बजे आरोपी अजीत अपने सबसे छोटे भाई को खिलाने के बहाने घर के पास स्थित दुर्गा मंदिर ले गया था। फिर मंदिर परिसर में उसने बच्चे की हत्या कर दी और शव लेकर घर जा रहा था।

गांव की एक महिला ने बताया कि अजीत घर में आया और मनीष को खोजने लगा। वह



बच्चे को उसकी मां से लेकर चला गया। कुछ देर बाद अजीत बच्चे का शव लेकर लौट रहा था। पहले लगा कि बच्चे का एक्सीडेंट हो गया है, लेकिन बाद में पता चला कि उसकी हत्या की गई है। अजीत बार-बार शव को छिपाने की कोशिश कर रहा था। महिला के अनुसार, अजीत नशे का आदी था। वह गांजा, स्मैक और शराब का सेवन करता था।

पता नहीं बड़े बेटे ने छोटे की क्यों की हत्या: आरोपी के पिता रंजू यादव ने बताया कि घटना के समय खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान गांव के लोगों ने बताया कि छोटे बेटे को किसी ने गर्दन काट दिया है। शुरुआत में इस सूचना को गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन खेत में काम खत्म कर घर लौटे तो घटना की

सोन नदी किनारे मिला अज्ञात शव, हत्या की आशंका

एजेंसी, पटना

पटना में सोन नदी के समीप शनिवार की सुबह संदिग्ध परिस्थिति में एक अज्ञात युवक का शव मिला है। मृतक की पहचान भी नहीं हो सकी है। शव के सिर पर चोट के निशान और खुन मिलने से हत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, हत्या की अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना मनेर थाना क्षेत्र के रामपुर दियारा की है।

सूर्य मंदिर के पास मिला शव: जानकारी के अनुसार, रामपुर दियारा में सूर्य मंदिर से आगे सोन सोता के समीप शनिवार सुबह स्थानीय लोगों ने एक व्यक्ति का शव देखा। इसकी खबर फैलते ही मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना मनेर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।



इसके बाद शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक के सिर पर चोट के निशान और खुन मिलने के कारण मामला संदिग्ध माना जा रहा है। सोन नदी के पास सुनसान जगह पर शव मिलने से घटना को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं। हालांकि, युवक की हत्या हुई है या उसकी मौत किसी अन्य कारण से हुई, यह जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि मृतक कौन था और किन परिस्थितियों में सोन नदी के पास पहुंचा।

जदयू ने अनंत सिंह को पार्टी से निकाला, स्पीकर से विधानसभा सदस्यता रद्द करने की अनुशंसा

एजेंसी, पटना

मोकामा से जदयू विधायक अनंत सिंह को जदयू ने 6 साल के लिए पार्टी से निकाल दिया है। अनंत सिंह कुछ दिनों से लगातार पार्टी लाइन से हटकर बयान दे रहे थे। पार्टी के सीनियर नेताओं के लिए अमर्यादित और अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया था। विधान परिषद चुनाव में पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ प्रचार कर रहे थे। पार्टी की प्राथमिक सदस्यता को तत्काल प्रभाव से रद्द करते हुए, उन्हें अगले 6 वर्षों के लिए पार्टी से निकाल दिया गया है। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाना ने आदेश जारी किया है। उन्होंने विधानसभा स्पीकर से अनंत सिंह की सदस्यता रद्द करने की अनुशंसा की है।



से निकाला गया: जदयू ने सिर्फ अनंत सिंह ही नहीं, बल्कि उनकी पत्नी और पूर्व विधायक नीलम देवी को भी पार्टी से निष्कासित किया है। कार्यालय आदेश में कहा गया है कि उनकी प्राथमिक सदस्यता भी पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने के कारण रद्द की जाती है। उन्हें भी अगले छह सालों के लिए पार्टी से निष्कासित किया गया है। इस कार्रवाई के साथ ही पार्टी ने स्पष्ट कर दिया है कि उसके निर्देशों के खिलाफ काम करने और पार्टी विरोधी गतिविधियों

शराब और देशी पिस्टल के साथ 4 छात्र गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना के चित्रगुप्त नगर थाना क्षेत्र के शर्मा लॉज में पुलिस ने छापेमारी कर चार लड़कों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से दो बोतल अंग्रेजी शराब और एक देशी पिस्टल बरामद की गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि लॉज में कुछ लड़के शराब पी रहे हैं और उनके पास हथियार भी है। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की। जानकारी के मुताबिक, 23 अक्टूबर की रात पुलिस को शर्मा लॉज में कुछ युवकों की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके आधार पर पुलिस टीम ने लॉज में छापेमारी की। इस दौरान चार लड़कों को शराब और देशी पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार युवकों में दो झारखंड और दो औरंगाबाद के रहने वाले बताया जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, चारों पटना में रहकर पढ़ाई करते हैं। इसी दौरान उनकी गतिविधियों



को लेकर पुलिस को सूचना मिली, जिसके बाद छापेमारी की गई। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि युवकों के पास देशी पिस्टल कहाँ से आई और वे इसे अपने पास क्यों रखे हुए थे। शराब की बरामदगी को लेकर भाई की कार्रवाई की जा रही है। चित्रगुप्त नगर थानेदार शंकर झा ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि इस मामले में कोई अन्य व्यक्ति शामिल है या नहीं। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एजेंसी, पटना

पटना के आलमगंज थाना क्षेत्र की 23 वर्षीय विवाहिता मेधा कुमारी 16 अक्टूबर से लापता हैं। उनके पिता सुरेश कुमार ने ससुराल वालों पर देहेज के लिए प्रताड़ित करने और हत्या कर शव गायब करने का आरोप लगाया है। वहीं, ससुराल पक्ष का दावा है कि मेधा ने गांधी सेतु के पाया संख्या 42 से गंगा नदी में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। फिलहाल, घटना के बाद से मेधा का कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस ने पिता के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शादी के बाद 5 लाख रुपए और देहेज मांगने का आरोप: सुरेश कुमार के मुताबिक, मेधा की शादी 12 मई 2025 को साहुल कुमार से हुई थी। शादी में उन्होंने अपनी क्षमता के अनुसार 5 लाख रुपए नकद, जेवर और अन्य सामान दिए थे। आरोप है कि शादी के कुछ दिनों बाद ही पति साहुल कुमार समेत ससुराल पक्ष के लोग 5 लाख रुपए और देहेज की मांग करने लगे। पिता का कहना है कि उन्होंने बैंक से कर्ज लेकर यह रकम भी दी, लेकिन इसके बाद भी बेटी को प्रताड़ित किया जाता रहा।

डांडिया कार्यक्रम में विवाद के बाद लापता हुई मेधा: सुरेश कुमार ने बताया कि



दुर्गापूजा के दौरान दशहरा के मौके पर मेधा को जानकारी मिली थी कि उनके पति साहुल कुमार किसी दूसरी लड़की के साथ डांडिया कर रहे हैं। इसके बाद मेधा मौके पर पहुंचीं, जहां दोनों के बीच विवाद हुआ। पिता का आरोप है कि इस घटना के बाद उनकी बेटी अचानक लापता हो गई।

गांधी सेतु पर मिली स्कूटी, मोबाइल और दुपट्टा: पिता के मुताबिक, 16 अक्टूबर को उन्हें सूचना मिली कि मेधा ने गांधी सेतु के पाया संख्या 42 से गंगा में छलांग लगा दी है। सूचना मिलने पर जब वह मौके पर पहुंचे, तो वहां ससुराल पक्ष के कई लोग मौजूद थे। उनके मुताबिक, गांधी सेतु से पुलिस ने मेधा की स्कूटी, मोबाइल, चप्पल और

एमएलसी नीरज के आवास के बाहर हथियार-कारतूस मिले

एजेंसी, पटना

पटना में शुक्रवार की रात एमएलसी नीरज कुमार के आवास के बाहर एक संदिग्ध बैग मिला है। बैग में लाइसेंसी पिस्टल, 35 कारतूस, चेकबुक, जरूरी कागजात और अन्य सामान मिले। नीरज कुमार के कमियों की नजर संदिग्ध बैग पर पड़ी, जिसके बाद उन्होंने इसकी सूचना शास्त्री नगर थाने को दी।

दरअसल, बैग एक डॉक्टर का था। जिनको झंसे में लेकर एक शास्त्रि ने बैग लेकर भाग गया। बैग में 25 हजार रुपए भी थे। पैसे निकालकर उसने बैग एमएलसी आवास के बाहर फेंक दिया था। पीड़ित कारोबारी ने मामले की शिकायत एयरपोर्ट थाने में की थी।

गाड़ी में मोबिल गिरने का झांसा दिया था: पीड़ित कारोबारी डॉ. शमीम अंसारी महुआ के रहने वाले हैं। शिकायत में पीड़ित ने पुलिस को बताया था कि शुक्रवार को वे काम के सिलसिले में पटना आए थे। पारस अस्पताल के सामने वे अपनी गाड़ी में बैठे थे। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति उनके पास पहुंचा। उसने डॉक्टर से कहा कि आपकी गाड़ी का मोबिल गिर रहा है।



डॉक्टर का बैग लेकर फरार हुआ था शास्त्रि, 25 हजार नगद निकालकर फेंक दिया था

शमीम गाड़ी से उतरे, बैग गाड़ी में ही रखी हुई थी। शमीम गाड़ी की मोबिल जांच रहे थे। इसी दौरान आरोपी बैग लेकर फरार हो गया।

शास्त्रि ने हथियार-कारतूस नहीं चुराए: एमएलसी नीरज कुमार के कमियों की सूचना पर शास्त्री नगर थाने के एडिशनल एसएचओ अभय कुमार, दीपक कुमार और वरिष्ठ महतो मौके पर पहुंचे थे। पुलिस ने बैग बरामद कर लिया। बैग में नगदी छोड़कर लाइसेंसी पिस्टल, कारतूस, चाबियां और अन्य दस्तावेज मौजूद थे। पुलिस ने बैग बरामद होने की सूचना पीड़ित डॉक्टर को दे दी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और बैग लेकर फरार हुए शास्त्रि की तलाश में जुटी है।

पटना में 8 दिन से विवाहिता लापता, एफआईआर दर्ज

पिता का आरोप-हत्या कर शव गायब किया, ससुराल वाले बोले- गांधी सेतु से गंगा में कूदी

दुपट्टा बरामद किया था। हालांकि, खोजबीन के बावजूद मेधा का पता नहीं चल सका है।

पिता ने जताई हत्या की आशंका: सुरेश कुमार का कहना है कि उनकी बेटी आत्महत्या नहीं कर सकती। उन्होंने आशंका जताई है कि देहेज की मांग और पारिवारिक विवाद के कारण मेधा की हत्या कर शव गायब कर दिया गया। उन्होंने आलमगंज थाने में लिखित शिकायत देकर ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, हत्या और शव गायब करने के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी, जांच जारी: आलमगंज थानाध्यक्ष राहुल ठाकुर ने बताया, 'विवाहिता के पिता सुरेश कुमार के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मेधा के लापता होने की परिस्थितियों, ससुराल पक्ष के दावे और पिता की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है।' फिलहाल, मेधा का पता नहीं चल सका है। पुलिस की जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

ट्रेन से गिरकर आर्किटेक्ट इंजीनियर की मौत, पाटलिपुत्र स्टेशन के पास शव मिला

एजेंसी, पटना



पटना के पाटलिपुत्र स्टेशन के उत्तर पोल संख्या 11/4 के पास पश्चिमी रेल लाइन के किनारे ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। रेल पुलिस को शुरुआत में शव अज्ञात अवस्था में मिला था। जीआरपी थाने में बाद में तलाश करते हुए पहुंचे परिजनों ने उसकी पहचान पुनपुन निवासी राहुल कुमार के रूप में की। राहुल आर्किटेक्ट इंजीनियर का काम करता था। बेटी की मौत की खबर मिलने के बाद परिवार में मातम पसरा है।

पहले अज्ञात के रूप में मिला शव: जानकारी के अनुसार, पाटलिपुत्र स्टेशन के पास पश्चिमी रेल लाइन के किनारे युवक का शव मिलने की सूचना रेल पुलिस को मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने की प्रक्रिया शुरू की। शुरुआती दौर में मृतक की पहचान नहीं हो

सकी थी। इसी बीच राहुल कुमार के परिजन उसकी तलाश करते हुए जीआरपी थाने पहुंचे। वहां शव देखने के बाद उन्होंने उसकी पहचान राहुल के रूप में की। मृतक के पिता सुनील कुमार ने पुलिस को बताया कि राहुल आर्किटेक्ट इंजीनियर का काम करता था और किसी काम से आ रहा था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, राहुल की मौत ट्रेन से गिरने के कारण हुई। हालांकि, वह किन परिस्थितियों में ट्रेन से गिरा, इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजनों ने जीआरपी थाने पहुंचकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की।

पटना में हर रोज 1000 स्ट्रीट लाइटों की होगी मरम्मत सभी वार्डों को मिलेंगी 100-100 नई स्ट्रीट लाइटें

एजेंसी, पटना

पटना में त्योहारों से पहले अंधेरे की समस्या दूर करने के लिए पटना नगर निगम ने स्ट्रीट लाइट व्यवस्था दुरुस्त करने की तैयारी तेज कर दी है। निगम क्षेत्र के सभी 75 वार्डों में 7,500 नई स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। प्रत्येक वार्ड को 100-100 लाइटें उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। निगम प्रशासन के अनुसार, 31 अक्टूबर तक वार्डों में लाइटें पहुंचा दी जाएंगी, जबकि इन्हें लगाने का काम नवंबर के पहले सप्ताह में शुरू होने की उम्मीद है। एजेंसी ने 29 अक्टूबर तक लाइटों की खरीदारी पूरी करने का आश्वासन दिया है।

जरूरत के अनुसार तय होंगे लाइट लगाने के स्थान: नई स्ट्रीट लाइटें संबंधित वार्डों के



सेनेटी इंसपेक्टर (एसआई) की सौंपी जाएंगी। लाइट लगाने के लिए स्थानों का चयन वार्ड पार्षदों से सुझाव और नगर निगम के आंतरिक सर्वे के आधार पर किया गया है। उन सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों को प्राथमिकता दी जाएगी, जहां रोशनी की कमी है। पूरी तरह खराब हो चुकी लाइटों को हटाकर नई लाइटें लगाई जाएंगी।

रोजाना एक हजार खराब लाइटों ठीक करने का लक्ष्य: नई लाइटों की स्थापना के साथ पुरानी

नवंबर के पहले सप्ताह से शुरू होगा काम

स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत भी तेज की जा रही है। फिलहाल शहर में प्रतिदिन करीब 600 से 700 खराब लाइटों को ठीक किया जा रहा है। नगर निगम ने इस संख्या को बढ़ाकर रोजाना एक हजार लाइटें दुरुस्त करने की योजना बनाई है। मरम्मत कार्य के लिए तीन-तीन सदस्यों वाली 26 टीमों अलग-अलग इलाकों में तैनात हैं। ये टीमें खराब लाइटों के साथ स्विच, वायरिंग और अन्य तकनीकी समस्याओं को ठीक कर रही हैं। जिन लाइटों की मरम्मत संभव नहीं है, उन्हें बदलने की व्यवस्था की

जा रही है। शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर और व्हाट्सएप सुविधा: नगर निगम क्षेत्र में बंद स्ट्रीट लाइटों को लेकर लोग कंट्रोल रूम में शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए टोल फ्री नंबर 155304 और व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर 9264447449 जारी किया गया है। शिकायत मिलने के बाद संबंधित तकनीकी टीम को समस्या के समाधान के लिए भेजा जाएगा। पटना नगर निगम क्षेत्र में फिलहाल 82 हजार से अधिक स्ट्रीट लाइटें लगी हैं। इनके रखरखाव और मरम्मत की जिम्मेदारी ईईएसएल (EESL) एजेंसी के पास है। नई लाइटों की स्थापना और मरम्मत कार्य में तेजी आने से शहर की प्रकाश व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में डिजिटल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गैर-शिक्षण कर्मचारियों को एमएस वर्ड एवं एक्सेल का दिया गया व्यावहारिक प्रशिक्षण, डिजिटल दक्षता बढ़ाने पर जोर

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के आंतरिक गुणवत्ता आशवासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) तथा कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गैर-शिक्षण कर्मचारियों के डिजिटल कौशल को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से डिजिटल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों को एमएस वर्ड एवं एमएस एक्सेल के व्यावहारिक उपयोग से परिचित कराना तथा दैनिक कार्यालयी कार्यों में डिजिटल दक्षता के प्रभावी प्रयोग को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने डिजिटल दक्षता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, “वर्तमान डिजिटल युग में तकनीकी ज्ञान एवं डिजिटल कौशल प्रत्येक कर्मचारी के लिए अत्यंत आवश्यक है। एमएस वर्ड और एमएस एक्सेल जैसे सॉफ्टवेयर



तकनीकी सत्र में कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. कविता श्रीवास्तव तथा सहायक प्राध्यापक डॉ. शुभम कुमार ने प्रशिक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया। इस दौरान एमएस वर्ड के माध्यम से दस्तावेजों का निर्माण, संपादन एवं प्रारूप निर्धारण तथा एमएस एक्सेल के अंतर्गत आंकड़ों की प्रविष्टि, सारणी निर्माण, सूत्रों एवं अंतर्निहित कार्यों का प्रयोग, आंकड़ों का विश्लेषण और उन्हें चित्रात्मक रूप में प्रस्तुत करने से

संबंधित व्यावहारिक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को दैनिक कार्यालयी कार्यों में डिजिटल उपकरणों का प्रभावी उपयोग करने में सक्षम बनाना था, ताकि वे दस्तावेज तैयार करने, सूचनाओं को व्यवस्थित रखने और आंकड़ों के विश्लेषण जैसे कार्यों को अधिक सरलता एवं दक्षता के साथ पूरा कर सके। कार्यक्रम के समापन अवसर पर आंतरिक गुणवत्ता आशवासन प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. प्राणवीर सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपयोगिता

पर प्रकाश डालते हुए कहा, “विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रशासनिक कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए डिजिटल साक्षरता का विकास आवश्यक है। कर्मचारियों को आधुनिक तकनीकों से परिचित कराने वाले ऐसे कार्यक्रम उनके ज्ञान और कार्यकुशलता में वृद्धि करते हैं। आंतरिक गुणवत्ता आशवासन प्रकोष्ठ भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन के लिए प्रयासरत रहेगा, ताकि विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण एवं तकनीक-आधारित कार्य संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके।” कार्यक्रम का समन्वयन एवं संचालन कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रो. विकास पारीक ने किया। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने के लिए आंतरिक गुणवत्ता आशवासन प्रकोष्ठ एवं विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही, उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के उपयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता

पर बल दिया। कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों ने एमएस वर्ड एवं एमएस एक्सेल के व्यावहारिक उपयोग, आंकड़ों के प्रबंधन, सूत्रों के प्रयोग, गणनाओं तथा सूचनाओं के विश्लेषण से संबंधित महत्वपूर्ण कौशल अर्जित किए। इस प्रशिक्षण से कर्मचारियों की डिजिटल दक्षता में वृद्धि होने, कार्यालयी कार्यों में नुटियों को कम करने, बड़े आंकड़ा समूहों को व्यवस्थित करने तथा दैनिक प्रशासनिक कार्यों में उत्पादकता बढ़ाने में सहायता मिलने की अपेक्षा है। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय में गुणवत्ता संवर्धन की पहलों को गति देने तथा प्रशासनिक कार्यों में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास रहा। इसके माध्यम से कर्मचारियों को आधुनिक डिजिटल उपकरणों के प्रति जागरूक करने और विश्वविद्यालय में अधिक कुशल, पारदर्शी एवं तकनीक-आधारित कार्य संस्कृति विकसित करने की दिशा में सार्थक पहल की गई।

बदलाव की कहानी: मॉडल स्कूल में आधुनिक प्रयोगशाला से निखर रही बच्चों की प्रतिभा

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। बिहार सरकार द्वारा राज्य के सभी प्रखंडों में मॉडल स्कूल की स्थापना की पहल से विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों को बेहतर बनाने की दिशा में सकरात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। कभी जिन बच्चों को प्रयोगशाला के बारे में बहुत कम जानकारी थी, आज वही बच्चे आधुनिक प्रयोगशाला में बैठकर विभिन्न प्रयोगों के माध्यम से नई-नई चीजें सीख रहे हैं। इससे न केवल बच्चों की जिज्ञासा और सीखने की रुचि बढ़ी है, बल्कि पठन-पाठन की प्रक्रिया भी अधिक प्रभावी और रोचक हुई है। यह बदलाव पूर्वी चंपारण जिले के बंजरिया प्रखंड के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में स्थित श्री महावीर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (मॉडल स्कूल), सेमरा में स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। विद्यालय में बच्चों के लिए बेहतर प्रयोगशाला को व्यवस्था की गई है, जहां वे विभिन्न प्रयोगों को स्वयं करके विषयों को आसानी से समझ पा रहे हैं। प्रयोग आधारित शिक्षा से बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित हो रही है और वे पढ़ाई के प्रति अधिक



रुचि ले रहे हैं। विद्यालय के प्राचार्य नरेंद्र चौधरी के अनुसार, विद्यालय प्रबंधन द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए हर क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विद्यालय के बच्चे विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। मॉडल स्कूल की यह पहल ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आधुनिक प्रयोगशाला और प्रयोग आधारित शिक्षण पद्धति के माध्यम से बच्चे अब केवल किताबों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि स्वयं प्रयोग करके सीख रहे हैं। विद्यालय में दिखाई दे रहा यह बदलाव इस बात का प्रमाण है कि बेहतर संसाधन और अनुकूल शैक्षणिक वातावरण बच्चों की प्रतिभा को निखारने तथा शिक्षा को अधिक गुणवत्तापूर्ण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बच्चों की सुरक्षा व अधिकारों पर पुलिस-डीएलएसए की संयुक्त कार्यशाला आयोजित

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, उनके अधिकारों की रक्षा करने तथा बाल अपराधों की रोकथाम के उद्देश्य से सुरक्षित बचपन अभियान के प्रथम चरण के सफल क्रियान्वयन हेतु 24 अक्टूबर 2026 को पुलिस विभाग एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के संयुक्त समन्वय से शनिवार को एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, मोतिहारी के संचय नितिन त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उक्त कार्यशाला में अपराध अनुसंधान विभाग एवं साइबर अपराध से संबंधित पुलिस उपाधीक्षक, साइबर पुलिस पदाधिकारी, बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी, विशेष किशोर पुलिस इकाई के सदस्य, पुलिस दीदी, पैलल अधिवक्ता दीपक कुमार सहित विभिन्न संबंधित पदाधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान पुलिस विभाग के विशेषज्ञों ने बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो अधिनियम) के प्रभावी क्रियान्वयन, बाल संरक्षण, साइबर अपराधों से बच्चों की सुरक्षा तथा बाल पीड़ितों के प्रति संवेदनशील व्यवहार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, बाल संरक्षण से जुड़े पदाधिकारियों एवं कर्मियों की जिम्मेदारियों और विभिन्न स्थानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नितिन त्रिपाठी, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार,



मोतिहारी ने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने और उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए पुलिस विभाग तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के बीच प्रभावी समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बाल पीड़ितों को समय पर विधिक सहायता उपलब्ध कराने, उनके हितों की रक्षा करने तथा आमजन के बीच बाल सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया। कार्यशाला में आगामी 26 से 31 अक्टूबर 2026 तक संचालित होने वाले सुरक्षित बचपन अभियान के प्रथम चरण को सफल बनाने के लिए विस्तृत रणनीति तैयार करने और समन्वित प्रयासों को प्रभावी बनाने पर चर्चा की गई। पुलिस विभाग के विशेषज्ञों एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार, मोतिहारी के संयुक्त सहयोग से अभियान के उद्देश्यों को धरातल पर उतारने तथा बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण एवं अधिकारों के प्रति व्यापक जनजागरूकता फैलाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के बाल संरक्षण, साइबर अपराधों से बच्चों की सुरक्षा, विधिक जागरूकता के प्रसार तथा जबरन प्रयासों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर निरंतर कार्य कर रहा है। सुरक्षित बचपन अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित वातावरण, न्याय तक पहुंच और अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता प्रदान करना है।

छाड़दानों पुलिस की कार्रवाई, दो गिरफ्तार; हथियार व अन्य सामान बरामद

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला के छोड़दानों थाना पुलिस ने अपराध निंत्रण को लेकर कार्रवाई करते हुए अलग-अलग मामलों में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक अभियुक्त के पास से दोनाली बंदूक, तीन जिंदा कारतूस और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। वहीं, दूसरे अभियुक्त की गिरफ्तारी के साथ एक मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। पुलिस की पहली कार्रवाई में हिरमनी निवासी मो. जोहार उर्फ इकबाल, पिता मो. कासिम, को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक दोनाली बंदूक, तीन जिंदा कारतूस और तीन मोबाइल फोन बरामद हुए। थानाध्यक्ष राजीव कुमार के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध छोड़दानों थाना कांड संख्या 134/23 एवं 44/24 के तहत आर्स एक्ट से संबंधित मामले पहले से दर्ज हैं। वहीं, दूसरी



मोटरसाइकिल भी बरामद की है। दोनों अभियुक्तों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस आगे की कानूनी प्रक्रिया में जुटी है। उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत करने की तैयारी की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में अपराध निंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

राजा बाजार में ‘श्रीराम साड़ी’ का भव्य शुभारंभ, थोक व खुदरा खरीदारी की मिलेगी सुविधा

» पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव समेत कई गणमान्य लोग समारोह में हुए शामिल, गुणवत्तापूर्ण वस्त्र और आकर्षक डिजाइन उपलब्ध कराने पर जोर

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के राजा बाजार में शनिवार को ‘श्रीराम साड़ी’ थोक वस्त्र प्रतिष्ठान का शुभारंभ समारोहयव्यंक किया गया। इस अवसर पर कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव, भोपतपुर दक्षिणी की मुखिया पति सुरी यादव, प्रो. शत्रुधन प्रसाद तथा प्रतिष्ठान के संचालक रमेश प्रसाद गुप्ता सहित उनके परिवार के सदस्य और कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रतिष्ठान के संचालक रमेश प्रसाद गुप्ता ने बताया कि ग्राहकों को उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण वस्त्र



उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस प्रतिष्ठान की शुरुआत की गई है। कपड़ा व्यवसाय में वर्षों के अनुभव के आधार पर ग्राहकों की पसंद, गुणवत्ता और किफायती कीमतों को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रतिष्ठान में थोक एवं खुदरा, दोनों स्तरों पर खरीदारी की सुविधा उपलब्ध होगी। यहां महिलाओं के विभिन्न प्रकार के परिधानों, साड़ियों तथा अन्य वस्त्रों की विविध रेंज ग्राहकों के लिए उपलब्ध रहेगी।

एक ही छत के नीचे मिलेगी डिजाइन और बैरायटी की सुविधा—इस अवसर पर द्विभाषीय दैनिक समाचार पत्र बॉर्डर न्यूज मिरर

उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस प्रतिष्ठान की शुरुआत की गई है। कपड़ा व्यवसाय में वर्षों के अनुभव के आधार पर ग्राहकों की पसंद, गुणवत्ता और किफायती कीमतों को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रतिष्ठान में थोक एवं खुदरा, दोनों स्तरों पर खरीदारी की सुविधा उपलब्ध होगी। यहां महिलाओं के विभिन्न प्रकार के परिधानों, साड़ियों तथा अन्य वस्त्रों की विविध रेंज ग्राहकों के लिए उपलब्ध रहेगी।

» लापरवाही और घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल पर होगी कड़ी कार्रवाई

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। बिहार सरकार के कायाकल्प अभियान को जिले में प्रभावी ढंग से लागू करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने शनिवार को अपने कार्यालय कक्ष में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उक्त बैठक में अभियान के तहत संचालित कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी लंबित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में एडीएम (लोक शिकायत), सिविल सर्जन, जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।



वहीं, उप विकास आयुक्त एवं जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी श्री यादव ने कहा कि कायाकल्प अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्थित सार्वजनिक परिसंपत्तियों, जैसे सामुदायिक भवन, स्वास्थ्य केंद्र, विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र एवं पंचायत भवन की मरम्मत, जीर्णोद्धार तथा बुनियादी सुविधाओं का उन्नयन करना है। इससे इन संस्थानों की कार्यक्षमता और उपयोगिता में सुधार होगा तथा आम लोगों को बेहतर

राजा बाजार में ‘श्रीराम साड़ी’ का भव्य शुभारंभ, थोक व खुदरा खरीदारी की मिलेगी सुविधा

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के राजा बाजार में शनिवार को ‘श्रीराम साड़ी’ थोक वस्त्र प्रतिष्ठान का शुभारंभ समारोहयव्यंक किया गया। इस अवसर पर कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव, भोपतपुर दक्षिणी की मुखिया पति सुरी यादव, प्रो. शत्रुधन प्रसाद तथा प्रतिष्ठान के संचालक रमेश प्रसाद गुप्ता सहित उनके परिवार के सदस्य और कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रतिष्ठान के संचालक रमेश प्रसाद गुप्ता ने बताया कि ग्राहकों को उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण वस्त्र



उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस प्रतिष्ठान की शुरुआत की गई है। कपड़ा व्यवसाय में वर्षों के अनुभव के आधार पर ग्राहकों की पसंद, गुणवत्ता और किफायती कीमतों को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रतिष्ठान में थोक एवं खुदरा, दोनों स्तरों पर खरीदारी की सुविधा उपलब्ध होगी। यहां महिलाओं के विभिन्न प्रकार के परिधानों, साड़ियों तथा अन्य वस्त्रों की विविध रेंज ग्राहकों के लिए उपलब्ध रहेगी।

एक ही छत के नीचे मिलेगी डिजाइन और बैरायटी की सुविधा—इस अवसर पर द्विभाषीय दैनिक समाचार पत्र बॉर्डर न्यूज मिरर

उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस प्रतिष्ठान की शुरुआत की गई है। कपड़ा व्यवसाय में वर्षों के अनुभव के आधार पर ग्राहकों की पसंद, गुणवत्ता और किफायती कीमतों को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रतिष्ठान में थोक एवं खुदरा, दोनों स्तरों पर खरीदारी की सुविधा उपलब्ध होगी। यहां महिलाओं के विभिन्न प्रकार के परिधानों, साड़ियों तथा अन्य वस्त्रों की विविध रेंज ग्राहकों के लिए उपलब्ध रहेगी।

ग्रामीण विकास योजनाओं में लापरवाही पर सख्ती, लंबित आवاسों को एक सप्ताह में मंजूरी का निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार ने शनिवार को शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों के साथ ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना तथा मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास सहायता योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। वहीं, बैठक से बिना सूचना और अनुमति के अनुपस्थित रहने वाले सात प्रखंड विकास पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में जिले को मिले



1,06,321 आवासों के लक्ष्य के विरुद्ध 1,06,268 आवासों की स्वीकृति दी जा चुकी है, जबकि 53 आवासों की स्वीकृति लंबित है। कल्याणपुर में 12, रामगढ़वा में आठ और मधुबन में आठ आवासों की स्वीकृति लंबित पाई गई। उप विकास आयुक्त ने सभी संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर नियमानुसार शत-प्रतिशत आवासों की स्वीकृति सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जो आवेदन नियमानुसार अस्वीकृत किए जाने योग्य हैं, उन्हें भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत अविलंब अस्वीकृत किया जाए। समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पहली किस्त के 2,003, दूसरी किस्त के 14,340 और तीसरी किस्त के 29,607 मामले लंबित पाए गए। पहली किस्त के भुगतान

» उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार ने की समीक्षा बैठक, बिना सूचना अनुपस्थित सात प्रखंड विकास पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार ने शनिवार को शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों के साथ ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना तथा मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास सहायता योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। वहीं, बैठक से बिना सूचना और अनुमति के अनुपस्थित रहने वाले सात प्रखंड विकास पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में जिले को मिले



1,06,321 आवासों के लक्ष्य के विरुद्ध 1,06,268 आवासों की स्वीकृति दी जा चुकी है, जबकि 53 आवासों की स्वीकृति लंबित है। कल्याणपुर में 12, रामगढ़वा में आठ और मधुबन में आठ आवासों की स्वीकृति लंबित पाई गई। उप विकास आयुक्त ने सभी संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर नियमानुसार शत-प्रतिशत आवासों की स्वीकृति सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जो आवेदन नियमानुसार अस्वीकृत किए जाने योग्य हैं, उन्हें भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत अविलंब अस्वीकृत किया जाए। समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पहली किस्त के 2,003, दूसरी किस्त के 14,340 और तीसरी किस्त के 29,607 मामले लंबित पाए गए। पहली किस्त के भुगतान

राजा बाजार में ‘श्रीराम साड़ी’ का भव्य शुभारंभ, थोक व खुदरा खरीदारी की मिलेगी सुविधा

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के राजा बाजार में शनिवार को ‘श्रीराम साड़ी’ थोक वस्त्र प्रतिष्ठान का शुभारंभ समारोहयव्यंक किया गया। इस अवसर पर कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव, भोपतपुर दक्षिणी की मुखिया पति सुरी यादव, प्रो. शत्रुधन प्रसाद तथा प्रतिष्ठान के संचालक रमेश प्रसाद गुप्ता सहित उनके परिवार के सदस्य और कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रतिष्ठान के संचालक रमेश प्रसाद गुप्ता ने बताया कि ग्राहकों को उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण वस्त्र



उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस प्रतिष्ठान की शुरुआत की गई है। कपड़ा व्यवसाय में वर्षों के अनुभव के आधार पर ग्राहकों की पसंद, गुणवत्ता और किफायती कीमतों को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रतिष्ठान में थोक एवं खुदरा, दोनों स्तरों पर खरीदारी की सुविधा उपलब्ध होगी। यहां महिलाओं के विभिन्न प्रकार के परिधानों, साड़ियों तथा अन्य वस्त्रों की विविध रेंज ग्राहकों के लिए उपलब्ध रहेगी।

एक ही छत के नीचे मिलेगी डिजाइन और बैरायटी की सुविधा—इस अवसर पर द्विभाषीय दैनिक समाचार पत्र बॉर्डर न्यूज मिरर

उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस प्रतिष्ठान की शुरुआत की गई है। कपड़ा व्यवसाय में वर्षों के अनुभव के आधार पर ग्राहकों की पसंद, गुणवत्ता और किफायती कीमतों को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रतिष्ठान में थोक एवं खुदरा, दोनों स्तरों पर खरीदारी की सुविधा उपलब्ध होगी। यहां महिलाओं के विभिन्न प्रकार के परिधानों, साड़ियों तथा अन्य वस्त्रों की विविध रेंज ग्राहकों के लिए उपलब्ध रहेगी।

राजा बाजार में ‘श्रीराम साड़ी’ का भव्य शुभारंभ, थोक व खुदरा खरीदारी की मिलेगी सुविधा

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के राजा बाजार में शनिवार को ‘श्रीराम साड़ी’ थोक वस्त्र प्रतिष्ठान का शुभारंभ समारोहयव्यंक किया गया। इस अवसर पर कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव, भोपतपुर दक्षिणी की मुखिया पति सुरी यादव, प्रो. शत्रुधन प्रसाद तथा प्रतिष्ठान के संचालक रमेश प्रसाद गुप्ता सहित उनके परिवार के सदस्य और कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रतिष्ठान के संचालक रमेश प्रसाद गुप्ता ने बताया कि ग्राहकों को उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण वस्त्र



उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस प्रतिष्ठान की शुरुआत की गई है। कपड़ा व्यवसाय में वर्षों के अनुभव के आधार पर ग्राहकों की पसंद, गुणवत्ता और किफायती कीमतों को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रतिष्ठान में थोक एवं खुदरा, दोनों स्तरों पर खरीदारी की सुविधा उपलब्ध होगी। यहां महिलाओं के विभिन्न प्रकार के परिधानों, साड़ियों तथा अन्य वस्त्रों की विविध रेंज ग्राहकों के लिए उपलब्ध रहेगी।

एक ही छत के नीचे मिलेगी डिजाइन और बैरायटी की सुविधा—इस अवसर पर द्विभाषीय दैनिक समाचार पत्र बॉर्डर न्यूज मिरर

उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस प्रतिष्ठान की शुरुआत की गई है। कपड़ा व्यवसाय में वर्षों के अनुभव के आधार पर ग्राहकों की पसंद, गुणवत्ता और किफायती कीमतों को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रतिष्ठान में थोक एवं खुदरा, दोनों स्तरों पर खरीदारी की सुविधा उपलब्ध होगी। यहां महिलाओं के विभिन्न प्रकार के परिधानों, साड़ियों तथा अन्य वस्त्रों की विविध रेंज ग्राहकों के लिए उपलब्ध रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

राजू कुमार मिश्रा बने आदापुर के नए पर्यवेक्षी पदाधिकारी

बीएनएम@मोतिहारी।

जिले के पूर्व गोविंदगंज थानाध्यक्ष व पुलिस निरीक्षक राजू कुमार मिश्रा को आदापुर थाना का नया पर्यवेक्षी पदाधिकारी बनाया गया है। उनके इस पदस्थानन से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था के और मजबूत होने की उम्मीद है। इस नई जिम्मेदारी के लिए शुभचिंतकों ने उन्हें ढेरों बधाईयाँ दी हैं।



आगामी 30 अक्टूबर को होगा जिला स्तरीय युवा उत्सव-2026 का आयोजन, 15 से 29 वर्ष के युवा दिखाएंगे प्रतिभा

» कला एवं संस्कृति विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में होगा आयोजन।

बीएनएम@ मोतिहारी। कला एवं संस्कृति विभाग तथा जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाला जिला स्तरीय युवा उत्सव-2026 अब आगामी 30 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। पूर्व निर्धारित तिथि में अपरिहार्य कारणों से एक दिन का बदलाव किया गया है। इसकी जानकारी जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी फहद सिद्दीकी ने दी। जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी ने बताया कि युवा उत्सव में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा प्रतिभागी भाग ले सकेंगे। आगामी 30 अक्टूबर को शहर के राजा बाजार स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में पूर्वाह्न 10 बजे से विभिन्न विधाओं की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें समूह लोक नृत्य, समूह लोक गीत, कविता लेखन एवं कविता वाचन, चित्रकला तथा नुकड़ नाटक शामिल हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रतियोगिताओं में केवल पारंपरिक वाद्ययंत्रों के उपयोग की अनुमति होगी। किसी भी प्रकार की रिकॉर्डिंग अथवा इलेक्ट्रॉनिक वाद्ययंत्रों का इस्तेमाल पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। आवश्यकता पड़ने पर मुख्य प्रतियोगिता से पूर्व 28 अक्टूबर को प्रतिभागियों की स्क्रीनिंग भी कराई जा सकती है। श्री सिद्दीकी ने बताया कि जिला स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी मोतिहारी समाहरणालय स्थित जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी के कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन पत्र भरने के बाद उसे इसी कार्यालय में जमा करना होगा। उन्होंने जिले के सभी योग्य युवाओं से अपील की कि वे उत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें। विदित हो कि युवा उत्सव का आयोजन प्रत्येक वर्ष पारंपरिक कला एवं संस्कृति के संरक्षण, नई पीढ़ी को लोक संस्कृति और ऐतिहासिक विरासतों से परिचित कराने तथा विशेष रूप से ग्रामीण परिवेश के युवा कलाकारों को उचित मंच प्रदान करने के उद्देश्य से किया जाता है। इसके माध्यम से युवा कलाकारों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें आगे बढ़ने के नए अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विभिन्न विधाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। वहीं, राज्य स्तर पर चयनित प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर के युवा उत्सव में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

मनरेगा की समीक्षा में लापरवाही उजागर, एक सप्ताह में सुधार का निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी। जिला स्तर पर मनरेगा योजनाओं की समीक्षा के दौरान कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रगति असंतोषजनक पाई गई। मानव दिवस सुजन में जिला स्तर पर 53.46% उपलब्धि दर्ज की गई, जबकि राज्य का औसत 52.71% रहा। बंजरिया, मेहरी, घोड़ासहन, पकड़ीदयाल और कल्याणपुर सहित कई प्रखंडों की उपलब्धि जिले के औसत से काफी कम रही। सभी कार्यक्रम पदाधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिले में कुल 17,158 योजनाओं में से मात्र 1,901 योजनाओं में एमआर निर्गत किए गए हैं, जो 11.08% है। कोटवा और पीपरकोठी में एक भी एमआर निर्गत नहीं हुआ, जबकि अरेराज, तेतरिया, मोतिहारी, कल्याणपुर और चिरेया में भी उपलब्धि बेहद कम रही। संबंधित पदाधिकारियों को एक सप्ताह में प्रगति बढ़ाने का निर्देश दिया गया। जिले के 4,40,779 सक्रिय मजदूरों में से 3,99,066 का ई-केवाईसी पूरा हुआ है। इसके साथ जिला स्तर पर उपलब्धि 90.57% है। शेष 41,559 मजदूरों का ई-केवाईसी लंबित है। बनकटवा, पकड़ीदयाल, छोड़ादानो, घोड़ासहन, रामगढ़वा, संग्रामपुर और आदापुर सहित कम उपलब्धि वाले प्रखंडों को एक सप्ताह में शत-प्रतिशत ई-केवाईसी पूरा कराने का निर्देश दिया गया। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जिला स्तर पर 9,50,400 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। एमआर प्राप्त पर 6,457 योजनाओं की प्रविष्टि की गई है, जिनमें 3,802 योजनाएं चालू हैं। सभी कार्यक्रम पदाधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप योजनाएं शुरू करने का निर्देश दिया गया।

समय पर भुगतान में जिला राज्य से पीछे: –समय पर भुगतान के मामले में जिले की उपलब्धि 83.53% है, जबकि राज्य का औसत 85.23% है। बनकटवा में 48.69%, छोड़ादानो में 54.37% और पकड़ीदयाल में 60.59% उपलब्धि दर्ज की गई। अन्य कई प्रखंडों में भी स्थिति संतोषजनक नहीं रही। सभी कार्यक्रम पदाधिकारियों को समय पर भुगतान की उपलब्धि 90% तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया।

एल.एन.डी. कॉलेज की बेटी माही गुप्ता का राष्ट्रीय मंच पर चयन, कर्तव्य पथ की गणतंत्र दिवस परेड की ओर बढ़ाया कदम

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के एल.एन. डी. कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की स्वयंसेविका माही गुप्ता का चयन पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2026 के लिए हुआ है। बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा माही, संतोष कुमार गुप्ता की पुत्री हैं। उनकी इस उपलब्धि से महाविद्यालय सहित पूरे जिले में हर्ष और गौरव का माहौल है। यह चयन न केवल माही की मेहनत, लगन और अनुशासन का प्रमाण है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रतिष्ठित शिविर 21 से 30 नवंबर 2026 तक डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा में आयोजित होगा। इसका आयोजन भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के क्षेत्रीय निदेशालय, लखनऊ द्वारा किया जा रहा है।

शिविर में माही बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर का प्रतिनिधित्व करेंगी। एनएसएस क्षेत्रीय निदेशालय, पटना ने 14 अक्टूबर 2026 को उनके चयन की सूचना जारी की थी। राज्य स्तरीय चयन समिति की अनुशंसा के आधार पर वरीयता क्रम में उनका चयन किया गया है। पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर तक पहुंचने के लिए स्वयंसेवकों को कई स्तरों की चयन प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। इसमें एनएसएस की नियमित गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी, विशेष शिविरों का अनुभव, शारीरिक दक्षता, अनुशासन और परेड का अभ्यास जैसे मानदंड शामिल हैं। राज्यभर के हजारों एनएसएस स्वयंसेवकों में से चुनिंदा प्रतिभागियों को ही इस प्रतिष्ठित शिविर में शामिल होने का अवसर मिलता है। पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर के अधीन राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्रीय शिविरों में गिना जाता है। इसी शिविर के माध्यम से नई दिल्ली



के कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के लिए एनएसएस दल के स्वयंसेवकों का चयन किया जाता है। ऐसे में आगरा में आयोजित होने वाला यह शिविर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित करने और कर्तव्य पथ तक पहुंचने की दिशा में एक अहम पड़ाव है। दस दिवसीय शिविर के दौरान स्वयंसेवकों को प्रतिदिन परेड का गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक और

शैक्षणिक गतिविधियां भी आयोजित होंगी। देश के अलग-अलग राज्यों से आए स्वयंसेवक एक साथ रहकर एक-दूसरे की भाषा, संस्कृति और परंपराओं को समझेंगे। इस प्रकार शिविर राष्ट्रीय एकता, आपसी सद्भाव और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। शिविर के दौरान माही बिहार की समृद्ध लोक संस्कृति की झलक भी प्रस्तुत करेंगी। बिहार-झारखंड क्षेत्र

के दल का नेतृत्व गया कॉलेज, गया के एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. राजेश कुमार मिश्रा करेंगे। माही गुप्ता की यह उपलब्धि विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों की छात्राओं के लिए प्रेरणादायक है। उनका चयन इस बात का प्रमाण है कि निरंतर प्रयास, अनुशासन और समर्पण के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई जा सकती है। महात्मा गांधी के प्रथम सत्याग्रह की ऐतिहासिक धरती चंपारण की बेटी का राष्ट्रीय युवा मंच तक पहुंचना जिले के लिए गौरव की बात है। माही की उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्रचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार ने उन्हें बधाई देते हुए कहा, "यह कॉलेज और पूरे मोतिहारी के लिए गर्व की बात है। माही ने अपनी लगन और अनुशासन से यह मुकाम हासिल किया है। एनएसएस का आदर्श वाक्य 'में नहीं, आप' है और माही ने अपने कार्यों से इस भावना को साकार किया है। हमें विश्वास है कि वह आगरा में भी अपने प्रदर्शन

से महाविद्यालय और बिहार का नाम रोशन करेंगी।" वहीं, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रवि रंजन सिंह ने कहा, "माही शुरू से ही एनएसएस की प्रत्येक गतिविधि में पूरी सक्रियता से भाग लेती रही हैं। चाहे स्वच्छता अभियान हो, जागरूकता कार्यक्रम हो या विशेष शिविर, उन्होंने हर अवसर पर अपनी सक्रियता और प्रतिबद्धता दिखाई है। उनका चयन हमारी एनएसएस इकाई के सभी स्वयंसेवकों के लिए प्रेरणास्रोत है। हमारी कोशिश रहेगी कि वह इस उपलब्धि से आगे बढ़ते हुए गणतंत्र दिवस परेड तक पहुंचें।" माही गुप्ता के चयन पर भूगोल विभाग के शिक्षकों, महाविद्यालय के कर्मचारियों, एनएसएस स्वयंसेवकों तथा छात्र-छात्राओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। सभी ने उम्मीद जताई कि माही आगरा शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय, मोतिहारी और बिहार का गौरव बढ़ाएंगी।

बिहार को फिर गौरवशाली बनाने का संकल्प, विद्यालयों में अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी आयोजित

बीएनएम@ रामगढ़वा

रामगढ़वा। बिहार को पुनः गौरवशाली बनाने के संकल्प के साथ शनिवार को रामगढ़वा प्रखंड के सभी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसी क्रम में मुरला-2 उत्कर्मित माध्यमिक विद्यालय में भी संगोष्ठी आयोजित हुई। "बिहार को पुनः गौरवशाली कैसे बनाया जाए" विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षकों, अभिभावकों और छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संगोष्ठी में बिहार के गौरवशाली अतीत, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राचीन शिक्षा व्यवस्था और महान विभूतियों के ऐतिहासिक योगदान पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि बिहार की गौरवशाली परंपरा को अधुण रखते हुए राज्य को शिक्षित, विकसित और समृद्ध बनाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। इसके लिए शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार, विद्यार्थियों में नैतिक



मूल्यों का विकास, अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी और शिक्षकों की जिम्मेदार भूमिका को महत्वपूर्ण बताया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पूरी लगन, निष्ठा और अनुशासन के साथ पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि मेहनत और प्रतिभा के बल पर विद्यार्थी भविष्य में बिहार का नाम रोशन कर सकते हैं। वहीं, अभिभावकों से बच्चों की नियमित विद्यालय उपस्थिति सुनिश्चित करने, घर पर उनकी पढ़ाई पर ध्यान देने तथा उनके सर्वांगीण विकास में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की गई। वहीं, मुरला-2 उत्कर्मित माध्यमिक विद्यालय में आयोजित संगोष्ठी के सफल संचालन में विद्यालय परिवार

और स्थानीय बुद्धिजीवियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक मोहम्मद सद्दाम के साथ शिक्षक राजकुमार, श्याम कुमार, राकेश कुमार, ज्योति कुमारी और रीशान कुमार ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर क्षेत्र के जागरूक अभिभावक राजू कुमार रजक, मुना हकीम, अखलाक हक, नूरैन, एमडी सहिम और साजरा खातून सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। संगोष्ठी के माध्यम से शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बिहार के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में शिक्षक-अभिभावक की साझा जिम्मेदारी को रेखांकित किया गया।

जमानत पर छूटे आरोपियों की गुंडा परेड, 128 बीएनएसएस के तहत बॉन्ड डाउन की कार्रवाई

» शराब, डकैती और रंगदारी के मामलों से जुड़े 17 आरोपियों पर पुलिस ने की निरोधात्मक कार्रवाई

बीएनएम@ रामगढ़वा

रामगढ़वा। अपराध नियंत्रण को लेकर रामगढ़वा थाना पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए जमानत पर जेल से बाहर आए आरोपियों की थाना परिसर में गुंडा परेड कराई। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव मौआर के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई के दौरान संबंधित आरोपियों की खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 128 के तहत बॉन्ड डाउन की कार्रवाई की गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब, डकैती और रंगदारी जैसे मामलों से जुड़े आरोपियों को चिह्नित कर यह कार्रवाई की गई है। शराब से संबंधित मामलों में



गौरी शंकर साहनी, कुमार साहनी, मनोज साह, छोटलाल साह, पन्नालाल राम, राजकुमार महतो, राकेश सिंह, नईकुल्लाह अंसारी, किशोरी कुशवाहा, वीरलाल कुमार, सिफंदर साहनी, नितेश यादव, शहीद अनवर और राजेश्वर प्रसाद के खिलाफ कार्रवाई की गई। वहीं, डकैती के मामले में जितेंद्र राउत तथा रंगदारी के मामले में अजाद

हुसैन हवारी और मुनिलाल हाजरा के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई की गई। पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाना और कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। थाना परिसर में कराई गई गुंडा परेड और बॉन्ड डाउन की कार्रवाई से क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता बढ़ने का संदेश दिया गया है।

दीपावली-छठ पर अग्नि सुरक्षा को लेकर अलर्ट हुआ अग्निशमन विभाग

» पटाखा दुकानों और गोदामों की जांच, बिना लाइसेंस बिक्री पर होगी कार्रवाई

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। दीपावली और छठ पूजा के महेनजर अग्नि दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला अग्निशमन विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है। शनिवार को जिला अग्निशमन पदाधिकारी मो. आरिफुज्जमन के नेतृत्व में पटाखों के शेक विक्रेताओं और भंडारण स्थलों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान दुकानों के लाइसेंस, पटाखों के भंडारण की व्यवस्था और अग्नि सुरक्षा के इंतजामों की जांच की गई। अधिकारियों ने दुकानदारों को निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान पटाखों के सुरक्षित भंडारण और बिक्री के साथ दुकानों में अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना वैध लाइसेंस पटाखों का भंडारण या बिक्री करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सभी विक्रेताओं को नियमों के अनुरूप ही पटाखों का कारोबार करने की हिदायत दी गई। जिला अग्निशमन पदाधिकारी मो. आरिफुज्जमन ने कहा कि पटाखों का भंडारण और बिक्री निर्धारित नियमों के अनुसार ही होनी चाहिए। विस्फोटक नियमावली, 2008 के नियम 84 एवं 85 के तहत लागू प्रावधानों और अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य है। पटाखों की बिक्री केवल लाइसेंस प्राप्त परिसर में की जानी चाहिए। दुकानों



में पटाखों के पास ज्वलनशील पदार्थ रखने से बचें। आग उत्पन्न करने वाले खुले स्रोतों से दूरी बनाए रखें और बिजली की व्यवस्था भी सुरक्षित रखें। अधिकारियों ने दुकानदारों को निर्देश दिया कि वे अपने प्रतिष्ठानों में नियमानुसार उपयुक्त अग्निशमन उपकरण उपलब्ध रखें, ताकि आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। अग्नि सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अग्निशमन विभाग ने आम लोगों से भी दीपावली और छठ पूजा के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। विभाग ने कहा कि पटाखे जलाते समय बच्चों को अकेला न छोड़ें। ज्वलनशील वस्तुओं के आसपास पटाखे न जलाएं और सुरक्षा संबंधी सावधानियों का पालन करें। किसी भी अग्नि दुर्घटना या आपात स्थिति में तत्काल अग्निशमन सेवा को सूचना दें। जिला अग्निशमन विभाग ने स्पष्ट किया कि त्यहारों के दौरान अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, दुर्घटनाओं की रोकथाम करना और जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता है।

भारत-नेपाल सीमा पर 4 करोड़ की स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

» गोरखपुर से नेपाल ले जाई जा रही 1.806 किलो स्मैक बरामद, स्कॉर्पियो व अन्य सामान जब्त; एक आरोपी का आपराधिक इतिहास

बीएनएम@ रवसौल

रक्सौल। भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पूर्वी चंपारण पुलिस और रक्सौल थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने रक्सौल थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर चेक पोस्ट के समीप एक सफेद स्कॉर्पियो की तलाशी लेकर 1 किलोग्राम 806 ग्राम स्मैक बरामद की। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत करीब चार करोड़ रुपये आंकी जा रही है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ तस्करी में प्रयुक्त स्कॉर्पियो, दो स्मार्टफोन और सोने जैसी धातु का एक लॉकेट भी जब्त किया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार,



खुफिया सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से मादक पदार्थों की एक बड़ी खेप लेकर तस्कर रक्सौल के रास्ते नेपाल जाने की तैयारी में हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए वरीय अधिकारियों को अवगत कराया गया और पुलिस टीम ने लक्ष्मीपुर चेक पोस्ट के समीप विशेष अभियान चलाया। इसी दौरान सड़िख स्थिति में आ रही सफेद स्कॉर्पियो को घेराबंदी कर रोका गया। वाहन की सघन तलाशी लेने पर उसमें छिपाकर रखी गई 1.806 किलोग्राम स्मैक बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने वाहन में सवार दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। बरामदगी के बाद पुलिस

अब तस्करी के पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रक्सौल थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या-14 निवासी रमेश कुमार, पिता ईश्वरी शाह, तथा पलनवा थाना क्षेत्र के बहुवारा निवासी रूदीप कुमार, पिता बच्चा सिंह के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में गिरफ्तार आरोपी सदीप कुमार का पुराना आपराधिक इतिहास सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, वह वर्ष 2025 में भी स्मैक तस्करी से जुड़े मामलों में संलिप्त रहा है। इस आधार पर पुलिस उसके आपराधिक नेटवर्क और पूर्व की गतिविधियों की भी जांच कर रही है। रक्सौल डीएसपी मनीष आनंद ने



बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के दौरान अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों तथा कथित सरगनाओं के संबंध में भी जानकारी मिली है। पुलिस इनकी भूमिका की जांच कर रही है और संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार प्राथमिकी दर्ज करने तथा उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेचारा की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई को भारत-नेपाल सीमा के रास्ते मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। हालांकि, तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की गिरफ्तारी और पूरे मामले की तत्वीर जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

25 हजार का इनामी कुख्यात डकैत नगीन सिंह गिरफ्तार

» शिवहर थाना पुलिस और जिला आसूचना इकाई (डीआईयू) की संयुक्त कार्रवाई में मिली सफलता, अंतरजिला डकैती गिरोह का सरगना लंबे समय से चल रहा था फरार

बीएनएम@ शिवहर

शिवहर। जिले में फरार और इनामी अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शिवहर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह के निर्देश पर शिवहर थाना पुलिस और जिला आसूचना इकाई (डीआईयू) की संयुक्त टीम ने अंतरजिला डकैती गिरोह के कुख्यात सरगना नगीन सिंह को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पूर्वी चंपारण जिले के फेनहावा थाना क्षेत्र अंतर्गत शेखौना गांव निवासी देवनंदन सिंह का बेटा नगीन सिंह के रूप में हुई है। पुलिस लंबे समय से उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयासरत थी। विशेष अभियान के दौरान संयुक्त टीम को यह महत्वपूर्ण सफलता मिली। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, नगीन सिंह के खिलाफ शिवहर



जिले के शिवहर और पिपराही थाना सहित पूर्वी चंपारण जिले के पताही थाना समेत विभिन्न थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ डकैती, आर्मस् एक्ट समेत अन्य गंभीर धाराओं में मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास, अन्य मामलों में उसकी संलिप्तता और संभावित आपराधिक नेटवर्क के संबंध में जानकारी जुटाने में लगी है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ और आगे की जांच से उसके आपराधिक गतिविधियों से जुड़े अन्य पहलुओं का भी खुलासा हो सकता है। पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह के नेतृत्व में शिवहर जिले

में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि फरार अपराधियों, इनामी बदमाशों और आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। 25 हजार रुपये के इनामी कुख्यात डकैत की गिरफ्तारी को शिवहर पुलिस की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। पुलिस ने आम नागरिकों को आश्वस्त किया है कि जिले में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

चुनाव परिणाम पर सवाल

निर्वाचन आयोग को विपक्षी दलों को आमंत्रित कर उनकी शिकायतों पर ध्यान देना चाहिए। मंगलवार को जब विपक्षी सांसद विरोध जताने निर्वाचन आयोग जाएंगे, तो वह उनसे संवाद शुरू करने का माफूत मौका होगा। लोगों का असंतोष फिर से सड़कों पर उबल रहा है। इस बार मुद्रा राजनीतिक है। नई दिल्ली के जंतर-मंतर से लेकर मुंबई के शिवाजी पार्क और देश के अन्य हिस्सों में हुए विरोध प्रदर्शनों का संदेश है कि जनमत के एक बड़े हिस्से में चुनाव प्रक्रिया के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रहने का भरोसा नहीं रहा। यह चिंताजनक स्थिति है, क्योंकि ऐसी धारणाएं निर्वाचित सरकार की वैधता पर सवाल उठाने तक चली जाती हैं। भारत में यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति बनने लगी है, जब विपक्ष और सिविल सिराज के एक हिस्से में हल में हुए चुनावों के परिणाम पर खुलेआम संदेह जताया जा रहा है। कुछ राजनेताओं ने 2024 के चुनाव परिणाम पर भी सवाल उठाए हैं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित विवाद पर जैसा विरोध भड़का है, वह संकेत है कि इन सवालों और संदेहों का प्रभाव दूर तक चला गया है। सरकार के कर्ता-धर्ताओं में दूरदर्शिता होती तो बन रहे हालात का मतलब समझते हुए वे उचित पहल करती। कहा जा सकता है कि ऐसा ना कर के देश की राजनीतिक व्यवस्था के लिए चुनौतियां बढ़ा रहे हैं। केंद्र और निर्वाचन आयोग चाहें, तो अभी भी बहुत देर नहीं हुई है। उन्हें यह उचित सलाह होगी कि वे चुनाव प्रक्रिया की विश्ववनीयता बहाल करने की पहल तुरंत करें। इसकी शुरुआत ऐसी सर्वदलीय बैठक बुलाकर की जा सकती है, जो महज रस्म-अदायगी ना हो। उधर निर्वाचन आयोग को विपक्षी दलों को आमंत्रित कर उनकी शिकायतों पर ध्यान देना चाहिए। मंगलवार को जब इंडिया गठबंधन के सांसद विरोध जताने निर्वाचन आयोग की ओर जाएंगे, तो वह इस प्रक्रिया को शुरू करने का माफूत मौका होगा। आयोग ने एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से निकाले गए वैध मतदाताओं के नाम वापस शामिल करने के अभियान की घोषणा कर उचित कदम उठाया है। अब उसे विपक्षी खेमों की अन्य मांगों भी पर ठोस कदम उठाना चाहिए। उधर केंद्र को निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट के पूर्व आदेश मुताबिक करने के लिए कानून में उचित बदलाव लाना चाहिए। सिर्फ ऐसे कदमों से ही देश को राजनीतिक अस्थिरता से बचाया जा सकेगा।

सत्तर साल जिया, मगर जाना क्या?

हरिशंकर व्यास

अपनी सत्तर वर्ष की उम्र में बुजुर्गों के जिए हुए जीवन और उनकी स्मृतियों में मैंने अपना बचपन तलाश तो अपने ही समय को लेकर कई सवाल उठे। पचास वर्षों की प्रवर्तारिता में जिस भारत को देखा, जाना, समझा और लिखा, क्या वह उन लोगों के जिए हुए भारत से अलग था? या एक ही देखा और समय को हम अपनी-अपनी दुनिया से अलग-अलग देखते रहे? लंबा जीना और जीवन को बड़ा जीना क्या एक ही बात है? और अब, जब मशीनें भी सोचने-लिखने लगी हैं, तब अपने जिए हुए जीवन, अपनी स्मृतियों और अनुभवों का अर्थ क्या रह जाता है? आखिर जो मैंने जिया, वह किन्ता समझा? जो समझा, वह किन्ता लिखा? और जो अब तक नहीं समझ पाया, उसे लिखने को क्या बचा है? लिखने का बचा क्या?—1 मैं सत्तर वर्ष का हुआ। न असाधारण बात है, न साधारण। बालाजु इसके समय को लेकर मनमें विचार खदबदा रहे हैं। क्यां नही? देखो—देखते हाल के वर्षों में लिखे ही हमउम्र और अपने से छोटे परिवारजन, सहपाठी और पत्रकार साथी दिवंगत हो गए। किशन मानसिंहका, कृष्ण बैस, साधना जोशी, जगदीप, जादवी, शंख रियाचौधुरीजु छोटे भाई-बहन, बचपन की स्मृतियों में बसे चेहरेजु। और संसद भवन के सेंट्रल हॉल में एलएडडी श्रेणी के कई वरिष्ठ सहलक्ष्मणों की मृत्यु के समाचार भी मिलते हुएजु। किसी के जाने का समाचार अचानक आया, किसी के बारे में पहले से बीमारी की खबर थी। कामी जिन लोगों के साथ मन मिला, काम किया, गपशप की और

कामका होना रोजगारों की दुनिया की हलचल थी, वे अब नहीं हैं। उन दिनों भी 'नया इंडिया' की एपोस्ट्रॉफ़ डायरी के विवेक सक्सेना की सेहत, उसका आईसीयू में जाना-आना व्यथित किए हुए है।

यौ जीवन और मृत्यु के बारे में सोचने के लिए सत्तर वर्ष का होना जरूरी नहीं है। लेकिन इस उम्र में किसी के जाने का समाचार केवल उसके न रहने का समाचार नहीं होता। उसमें अपनी उम्र का बोध भी शामिल होता है। एक-एक कर वे लोग जा रहे हैं, जिन्हें साथ जीवन का कोई समय बीता था। किसी के साथ बचपन, किसी के साथ जवानी, किसी के साथ पत्रकारिता के दशकों का साथ। उनके जाने से केवल उनका साथ नहीं छूटता, अपने बाते हुए समय का भी कुछ हिस्सा माना छूट जाता है। शायद इसलिए इस विजयाशरमा की, जब मेरे सत्तर वर्ष पूरे हुए, तो मुझे पहली सुध उन लोगों की हुई, जिन्होंने मेरा बचपन देखा, जाना और समझा था। आखिर मैं अपने बचपन को कितना जानता हूँ? उसकी कितनी यादें मेरी अपनी हैं और कितना वह समय दूसरों की स्मृतियों में बचा हुआ है? जो मैं नहीं जानता, उस मेरे बचपन को वे जानते हैं। तब क्या न अपने जन्मस्थान लौटूँ? उन लोगों के बीच बैठूँ जो मुझसे उम्र में बड़े हैं, जिन्होंने मेरे माता-पिता को जाना, घर-परिवार को देखा और उस समय को जिया, जिसमें मेरा जन्म हुआ था।

पर अब ऐसे लोग कितने बचे होंगे? और जो बचे हैं, उनकी स्मृतियों में क्या-क्या बचा होगा? क्या उन्हें वे बातें याद होंगी, जिनका मुझे कोई भान नहीं? क्या उनके अजाना चेहरों में मुझे अपना ही कोई अनजाना कहर दिखाई देना? मन में यह भी सवाल है कि जिन लोगों

अरसी, नब्बे या उससे अधिक वर्ष किए हैं, उन्होंने जीवन को कैसे जाना? क्या लंबा जीवन और जीवन को भरपूर जाना एक ही बात है? क्या उम्र बढ़ने के साथ बीता हुआ समय अधिक साफ दिखाई देता है या स्मृतिाय भी धीरे-धीरे धुंधली पड़ जाती हैं? अजीब है कि अपने अपने से छोटे और हमउम्र लोगों के जाने के समाचार को, तो दूसरी ओर अपने से बड़े, अभी जीवित लोगों के बीच बैठने की इच्छा! जिनके साथ जीवन का बड़ा हिस्सा बीता, वे जा रहे हैं और जिन्होंने मेरे जीवन की शुरुआत देखी थी, उनसे मिलने का समय भी अब कितना कम है? शायद दस-सत्तर वर्ष का होना मेरे लिए फिलहाल यही है। अपने आपसमें से विदा होते लोगों की लायों और अपने जन्मस्थान में बचे हुए लोगों से मिलने की बेवैनी। आखिर अपने जीवन के बारे में कितना कुछ है जो मुझे स्थग्य नहीं मालूम। और फिर जो जानते हैं, वे भी कब तक रहेंगे?

इसीलिए इस विचारधाराकी को, अपने जन्मदिन से पहले मन में खयाल आया कि जन्मदिन पर दिल्ली में क्यों रहा जाए? क्यों न उस जगह लौटूँ जहाँ जन्म लिया था? जहाँ अभी भी 94-95 वर्ष की बुआ हैं। उनसे कुछ कम उम्र की मौसी हैं, मामी हैं और मुझसे पांच, दस, पंद्रह वर्ष बड़े भाईबंद हैं। वे लोग हैं, जिनको मैं बचपन से देखा, स्कूली दिनों से जाना और समझा। कुछ मेरे अध्यापक भी रहे। किसी ने तो तब अध्यापक बनने की सलाह दी थी तो किसी ने सेरांग कोट में बरकत की सरकारी नौकरी का रास्ता सुझाया था। पर तब बच्चे हों या अभिभावक, करियर और भविष्य की चिंता में दिमाग नहीं खपाते थे। बच्चे बचपन जीते थे। और मेरे अनुभव व विचार में जीवन के

सबसे मरत, मजेदार और बेकफ़्त दिनो को अपनी पूरी मस्ती में जीते थे। मैं उमरझरा झुई बरकत के आगे आज भी छोटा हूँ। उम्र में भी और अनुभव में भी। आखिर जीवन के उतार-चढ़ाव, कुत्तेन तथा बदलते देशकाल को उन्होंने मुझसे अधिक देखा, भोगा और समझा है। मैं क्यों न उनके बीच कुछ समय गुजारूँ? लंबे, बातें करूँ। जानूँ कि वे अपने इतने लंबे जीवन को कैसे देखते हैं? क्या राह रह गया है और क्या पोछे छूट गया? क्या कितने कष्ट झेलते? अपने ही कुल, वंश की तीन-चार पीढ़ियों में आए परिवर्तनों को वे कैसे देखते हैं? समय का यह सफर उन्हें कैसा लगता है? वे कितना हंसे, कितना मन ही मन रोए? और अतः जीवन को लेकर कितना संतोष है? संतोष? क्या उम्र बढ़ने के साथ जीवन का अर्थ भी बदलता है या केवल उससे देखने का ढंग बदल जाता है? दिल्ली में रहते हुए हम का बोध कुछ और होता है। आपस का, अम्बार, खबर्त और देश-दुनिया की घटनाओं के बीच दिन निकल जाते हैं। वहाँ उन साथियों की कमी महसूस होती है जो अब नहीं रहे। जिनके मरने में अपने से बड़े लोगों के बीच शायद उम्र का दूसरा अर्थ है। वहाँ मैं उन लोगों के बीच होऊँगा, जिनहों मुझसे अधिक जीवन देखा है, लेकिन जिनके जीवन का हिस्सा मेरे जीवन से निश्चित ही अलग, बिल्कुल अलग होगा। मूल सवाल है, लंबे समय तक जीना ही क्या बड़ी बात है? या जीवन को बड़ा जीना कुछ और है? यद्यपि सवाल मेरे अंतर्भी की उस खदबदाहट और संतोष से भी जुड़ा है कि 15 अप्रैल 1947 को जब भारत का जन्म एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में हुआ, आधुनिकता के राष्ट्र-राज्य के खाँचे में, तो उससे सत्य

हंदू सभ्यता की चिंतनता, चिंतनता की दास्तान भी जुड़ी हुई थी। बावजूद इसके आज 145 करोड़ लोगों के सामने यह यक्ष प्रश्न है कि हमारी इस अमिटता में मानव सभ्यता की दृष्टि से बड़ा जीने जैसा क्या है? हजारों वर्षों से बने रहना एक बात है, लेकिन उन हजारों वर्षों में हमने जीवन को कितना बड़ा बनाया? आखिर बड़ा जीना किससे कहें? यह सवाल व्यक्ति के लिए है, कुनबे के लिए है, तो मूल्य, देश और समूची मानवता के लिए भी है। क्या नहीं? खासकर अब, जब एआई के आने वाले समय में मनुष्य और मानवता के अर्थ ही बदलने की संभावना है? बहरहाल, फिलहाल खदबदाहट व्यक्तिगत है। सो, व्यक्ति के मायनों में ही बलें सजने और बड़ा जीने के बीच का फर्क समझने की इच्छा है। और मैं सचमुच विजयादशमी के दिन ओमजी, सुरेशजी, केपी, गोपाल, मामीजी और मौसी के लिए हुए जीवन से जो जाना, वह अजीब सा था। अपने सस्तर वर्षों में, खासकर कॉलेज की पढ़ाई के बाद नई दिल्ली के जेपेन्स हॉस्टल से शुरू हुए पिछले पचास वर्षों में मैंने जो सोचा, जाना और लिखा, वह सब उनकी बातें सुनकर कुछ बेतुका सा लगा। वे कह रहे थे, 'इमने समय देखा है, समय को जिया है। इसमें नेहरू हों या कोई दूसरी सरकार, हकीम ज़िंदगी, लोगों की ज़िंदगी जसी चाल रही थी, वसी ही चालती आई है।' पर हां, अब इय्या है, भूख है, दिखवा है। और घर-पराशुरां का ऐसा बिखार है कि 'अबाणू सुरेशजी की बहन की मृत्यु हुई तो वाकें उठावणे में चार लोग न आया।' जबकि रायला ने ही चालीस लोगों के हजारों में फैले परिवारों में लोगों की कहें कमी नहीं। इतने लोग हैं, इतने रिश्ते हैं, मगर किसी के जाने पर चार लोग भी नहीं जुटते। और फिर अनुभवों की जुगाली करते उन चेहरों से बदलते समय के वे रंग भी जाने, जो खूब चटकीले हैं, मगर जिनमें इंद्रधनुषी छटा नहीं है। मेरा मानना है कि 1947 से कुछ वर्ष पहले जन्मे यों भाईबंद, रिश्तेदार और स्वतंत्रता के बाद जन्मे मैं तथा मेरे हमउम्र लोग, यानी स्वतंत्र भारत की पहली पीढ़ी (मैं जिसकी कालाविध अपने पैमाने पर आसपास 1947 से मई 1964 में नेहरू की मृत्यु तक मानता हूं), शायद ऐसे ऐसे समय के गवाह हैं, जिसमें भारत में चटकीलाना तो खूब पाया, मगर परिवार, समाज, धर्म, लोकव्यवहार और लोक-संवेदनाओं के इंद्रधनुषी रंग गंकार। पर क्या सचमुच ऐसा हुआ है? और इतनी जल्दी ऐसा निष्कर्ष क्यों निकालना! निश्चित ही बचपन की स्मृतियां सुनते हुए साफ लगा कि जीवन का लोक-अर्थ शायद वह नहीं है, जो बतौर प्रकराम मैंने सरकारों, नेताओं, विचारधाराओं और राजनीतियों में परिवर्तनों में खोजा और समझा है। उन दिनों पुस्तक लेखन में भी, मैं जिन विषयों को प्राथमिकता दिए हुए हूं, वह बता इन लोगों की स्मृतियों में कहां है। इनके लिए अटपटी सी बात है कि देश, यानी भारत के बीते हुए समय में क्या अच्छा था और क्या बुरा? ऐसा क्या कुछ है जो 1947 से पहले जन्मे बुजुर्गों और स्वतंत्र भारत की पहली पीढ़ी के लिए हुए जीवन का सारतत्त्व हो? उनके अनुभवों में समय की ऐसी कोई मीमांसा नहीं है, जिसमें अपनी प्रकाशिता और लेखन के पचास वर्षों में समझ पाया। मैंने प्रकाशिता के अपने पूरे पचास वर्षों में भारत को बहुत कर दिया। सरकारों ने बदले-बिगड़े देखे। सत्ता के बदलते चेहरों में अर्थ खोजे।

जंगल के कानून से सबक सीखने की जरूरत

सन्त ज्ञान

प्रकृति का सबसे बड़ा संदेश है, जियो और जीने दो। जंगल में रहने वाले पशु-पक्षियों और छोटे-से-छोटे जीव-जंतुओं का जीवन संतुलन, सहअस्तित्व और सभी के जीवन का सम्मान ही जीवन का आधार है। अपचर्य यह है, जिस मनुष्य को बुद्धिमान, विवेकशील और सामाजिक प्राणी कहा जाता है, वही आज भौतिक सुविधाओं, सत्ता, संपत्ति और अहंकार के लिए प्रकृति तथा मानवता के लिये संकट बन गया है। जंगल में शेर, हाथी, हिरण, बंदर, पक्षी और असंख्य छोटे जीव रहते हैं। समका जीवन जीने का अपना तरीका है। भोजन की तलाश में संघर्ष होता है, शिकारी और शिकार के बीच जीवन-मृत्यु का संघर्ष भी है। इसके बाद भी प्रकृति के भीतर एक संतुलन हमेशा काम करता है। पशु अपनी आवश्यकताओं और भूख मिटाने के लिए संघर्ष करते हैं। उनकी भूख मिट जाती है, तो शिकार की जरूरत भी समाप्त हो जाती है। मनुष्यों की तरह

यह संपत्ति जमा करने, दूसरे जीवों के संसाधनों पर कब्जा करने या समूचे जंगल पर साम्राज्य स्थापित करने की प्रवृत्ति उनमें नहीं होती है। जंगल में पानी के एक ही स्रोत से अलग-अलग प्रजातियों के जीव अपनी यास बुझाने वहां पहुंचते हैं। हालांकि वहां भी खतरे, प्रतिस्पर्धा और हिंसा से पूरी तरह मुक्त नहीं होते, फिर भी प्रकृति के नियम सभी जीवों के अस्तित्व को एक-दूसरे से जोड़ते हैं। समूह में रहने वाले सभी जीव अपना सतानों और साथियों की रक्षा करते हैं। वे अपने जीवन और भोजन के लिए संघर्ष करते हैं। मनुष्य की तरह विचारधारा, भौतिक सुख सुविधाओं, सत्ता के विस्तार और आखेट के नाम पर विनाश नहीं करते हैं।

इसके विपरीत, आज दुनिया का बड़ा हिस्सा सत्ता के अहंकार, आर्थिक असमानता और वर्चस्व की लड़ाई में उलझा हुआ है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो या इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव हो या दुनिया के अन्य क्षेत्रों में जारी हिंसा हो, इसकी कीमत आम

गारिकों, बच्चों, महिलाओं और निर्दोष लोगों को चुकानी पड़ रही है। शक्ति में बने रहने की लालसा और शक्ति प्रदर्शन की राजनीति ने मानव जीवन को आंकड़ों और पूंजी के रूप में बदल दिया है। प्रश्न यह है कि जिस सत्ता का उद्देश्य जनता की सुखशा और कल्याण होना चाहिए, वही यदि लोगों की मृत्यु और विनाश का कारण बनने लगे, तो उसकी नैतिकता और उसके अस्तित्व पर सवाल क्यों नहीं उठना चाहिए? पिछले कुछ दशकों में पूँजीवादी व्यवस्था का विस्तार, संसाधनों पर नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा और धन के असमान वितरण ने सामाजिक विषमता की समस्या को और गंभीर बना दिया है। इसका अर्थ यह नहीं कि हर पूँजीवादी गतिविधि विनाशकारी है, बल्कि चिंता उस व्यवस्था से है, जिसमें मुनाफा मानवता से ऊपर हो जाए, संपत्ति कुछ हाथों में सन्निधत्ती चली जाए। गरीब की कठिनाइयों लगातार बढ़ती रहे। उसे 2 वक्त का भोजन, कपड़ा और रहने के लिये घर ना मिले। लोकतंत्र में सत्ता जनसेवा का माध्यम होना चाहिए, जब कुर्सी

ही शासक का सर्वोच्च लक्ष्य बन जाए, तब संस्थाएँ कमजोर होती हैं, सामाजिक विश्वास टूटता है। सामाजिक व्यवस्था कमजोर होती है। नागरिक अपने ही तंत्र के सामने असहाय हो जाते हैं। तभी जीवन का बचाने क्रांति का शंखवाज होता है। इसका फल केवल राजनीति और अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहता है। जंगलों की कटाई, नदियों का प्रदूषण, वायु की गिरती गुणवत्ता, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध प्रदूषण हमारे विकास में बाधा डाल रहे हैं। गंभीर प्रश्न खड़े कर रहे हैं। मनुष्य ने विज्ञान की सहायता से अंतरिक्ष तक अपनी पहुँच बनाई है, लेकिन अपनी पृथ्वी को सुरक्षित नहीं रख पा रहा है। प्राकृतिक आपदायें बढ़ती जा रही हैं। प्रकृति से अधिक शक्तिवान बनने की हमारी महत्वाकांक्षा कहीं नहीं अपने ही अस्तित्व के विरुद्ध खड़ा तो नहीं कर रही? हमें यह भी समझना होगा कि जंगल का जीवन पूरी तरह अहिंसक या भयमय नहीं है। वहां भी शिकार, संघर्ष, जीवन और मृत्यु है। जंगल के सभी

जीव हमें एक महत्वपूर्ण सीख देते हैं। जीवन का संतुलन किसी एक जीव के असीमित चर्यचर्य से नहीं, बल्कि अनेक जीवों के सहअस्तित्व से बनता है। सभी जीव एक-दूसरे के सहयोगी और एक मनुष्य के पास विवेक, कानून, विज्ञान और नैतिकता जैसे साधन हैं। इसलिए मानव जीवन को कर्मफल से जोड़ा जाता है। अपेक्षा भी अधिक है। मानवों की हिंसा को प्रकृति का नियम बताकर उचित ठहराने का कोई अधिकार नहीं है।

आज विश्व के नेताओं, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और सभी देशों की सरकारों को वर्तमान स्थिति पर आत्ममंथन करना चाहिए। सीमाएं राजनीतिक हवा सकती हैं, लेकिन हवा, पानी, जलवायु और प्रकृति की संरचना किसी एक देश की सीमाओं में कैद नहीं हैं। एक देश का प्रदूषण, युद्ध या पर्यावरणीय विनाश दूसरे देशों को भी प्राणघाति करता है। ब्रह्मदंड की विशालता और प्रकृति की परस्पर संबद्धता पृथ्वी की सीमा किसी एक राष्ट्र, धर्म, विचारधारा या पीढ़ी की संपत्ति नहीं है। मानव

समाज को अन्ध यह तथ्य करना होगा, वह अपनी बुद्धि का उपयोग जीवन बचाने के लिए करेगा या विनाश के नए सप्ताह बनाने के लिए करेगा। सत्ता स्थायी नहीं है, धन स्थायी नहीं है। प्रकृति का जीवन अधिकांश मूल्यवान है। मानव जीवन में अपनी सीमाएं, सह अस्तित्व सभी जीवों के अधिकारों का सम्मान करना होगा। ऐसा नहीं किया तो मानव जीवन सुरक्षित नहीं रहेगा। सवाल यह नहीं है, कौन शासक सबसे शक्तिशाली है, मनुष्य अपनी शक्ति का उपयोग किसलिए कर रहा है। और मानव जीवन जिस दिन बुद्धिमान कलहने वाला मनुष्य दूसरों को जीने का अधिकार देना सीख जाएगा, उसी दिन उसकी बुद्धिमाना सार्थक होगी। जंगल की लाखों प्रजातियों के सहअस्तित्व से मानव समाज को सुरक्षित रखने का गुण हमें सीखना होगा। भौतिक सुविधाओं, अहकार, अधिक से अधिक जीवन और सम्पत्ति पर कब्जा करने की जो प्रवृत्ति देखने को मिल रही है, वह सम्पूर्ण प्रकृति को नष्ट करने वाली है। उसमें कोई सुरक्षित नहीं रहेगा।


आज का राशिफल


मेघ राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। दोपहर तक आपको कोई अच्छी खबर मिल सकती है। विरोधी आज आपके बारे में अफवाहें फैलाने के लिए तैयार बैठे हैं ऐसा कोई मौका ही न दें। आपको प्रतिभा-मन-सम्मान बढ़ाने में कारगर साबित हो सकती है। आपको कुछ ऐसे काम दिए जायेंगे, जिन्हें आप आसानी से पूरा कर लेंगे।

वृष राशि : आज आपका दिन फेवरबल रहेगा। आज पूरा दिन माता-पिता के साथ बिटेगा। जिन सीमित विचारों की वजह से आप विचार के दायरे से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं, आज उन्हें तोड़कर जीवन में बदलाव लाने में सफल होंगे। आज सरकारी काम या कोर्ट संबंधित कामों को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे।

मिथुन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारीफ होगी। आज कार्यस्थल पर लोगों के साथ जुड़े रहने की और मिलने-जुलने की कोशिश करेंगे, लेकिन अपने विचारों में किसी भी प्रकार का बदलाव सोच-समझकर करेंगे। पिछली बातों से मिली सीख को आज ध्यान में रखेंगे। स्वास्थ्य आज पहले से काफी अच्छा रहेगा।

कर्क राशि : आज आपके दिन की शुरुआत खुशियों से भरी होगी। आज अन्य लोगों की समस्याओं को सुलझाने पर आपका ध्यान रहेगा, आज का दिन दोस्तों के साथ मौज-मस्ती में बितेगा, आप उसके साथ बाहर जा सकते हैं जहाँ किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात होगी। परिवार के साथ रात का डिनर बाहर करने का मन बनायेंगे।

विश्व राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे। आप जिन कामों को करने के लिए सोचेंगे, वे आपको उम्मीद से ज्यादा फायदा दे सकते हैं। आज के दिन की शुद्धात शुभ संकल्पों से होगी। जो लोग मिट्टी के व्यवसाय से जुड़े हैं, उनके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर अमल करने के लिए आज का दिन अच्छा है।

कन्या राशि: आज भाग्य का आपको पूरा-पूरा साथ मिलेगा। ऑफिस में अपनी प्रगति के बारे में विचार करेंगे। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे तो बिना गड़बड़ के काम समय से पूरा हो जायेगा। आज आप पुरानी देनदारों निपट्टा सकते हैं। अगर बढ़ते के लिए आप कुछ नया सीखेंगे। इस राशि के जो लोग सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उन्हें तरक्की के नये अवसर प्राप्त होंगे।

तुला राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। ऑफिस के किसी काम को लेकर बॉस आपको सलाह देंगे, जो आपके लिए कारगर साबित होगा। आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए। आज महत्वपूर्ण काम पूरा होने से मन खुश रहेगा। आज कुछ नये मौके और नये विचारों का काम आएंगे, जिन्हें आप खुले मन से स्वीकार करेंगे। आज आप ज्यादातर मामलों में खुद को भाग्यशाली महसूस करेंगे।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन लकी रहगा। आज आप जो भी करें, अच्छे से समझकर करें, फायदा होगा। सरकारी कामों में किसी अनुभवही से सलाह मिल सकती है, जो आपके बहुत काम आ सकती है। इस राशि के जो लोग कोचिंग संचालक हैं, उनके लिये अपने काम में कुछ बदलाव करने का आज अच्छा दिन है।

धनु राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज का दिन बढ़िया है। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है। इस राशि के कांटेद्वार के लिए आज का दिन धनलाभ देने वाला है। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। किसी प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

मकर राशि : आज का दिन खुशियाँ से भरा रहेगा। आज थाड़ी महान्त से किसी बड़े फायदे का योग बन रहा है। जीवनसाथी की मदद से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। आज किसी समारोह में जाने का प्लान बनायेंगे, जहाँ आपके दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात हो सकती है। आज आपकी व्यवहार में सकारात्मक बदलाव आयेगा, जिससे जीवनसाथी बेहद प्रसन्न रहेंगे।

कुम्भ राशि : आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज किसी ऐसे मित्र से कॉल पर बात होगी, जिससे पुरानी यादें ताजा हो जाएंगी। आज पिछली बातों की वजह से मन उलझन में रहेगा, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। प्रॉपर्टी डीलर के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है, इससे आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

मीन राशि : आज आपका दिन नई सीगात लेकर आया है। आज करियररत खुरशुमा हो संधी शुभ समाचार मिलेगा, जिससे घर का वातावरण खुशनुमा हो जायेगा। सेहत आज फिट रहेगी। मन में पैसों को लेकर कई तरह के विचार आ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने के लिए समय बेहतर है।

संस्कार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@
022/88070

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कहूरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन नं.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

महेला जयवर्धने की जगह कीरोन पोलार्ड बने मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र से पहले मुंबई इंडियंस ने बड़ा फैसला लेते हुए कीरोन पोलार्ड को टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। पोलार्ड ने महेला जयवर्धने की जगह ली है। जयवर्धने का दो सत्र का दूसरा कार्यकाल आईपीएल-2026 में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के साथ समाप्त हो गया। पांच बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस पिछले छह सत्र से खिताब जीतने में नाकाम रही है। टीम ने अपना पिछला खिताब 2020 में जीता था। ऐसे में फ्रेंचाइजी ने खिताबी सूखे को खत्म करने के लिए अपने पुराने भरोसेमंद खिलाड़ी पोलार्ड को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। पोलार्ड का मुंबई इंडियंस के साथ करीब 16 वर्षों का जुड़ाव रहा है। फ्रेंचाइजी ने उन्हें 2010 सत्र से पहले नीलामी में खरीदा था। चौथेंस लीग टी-20 के शुरुआती संस्करण



में शानदार प्रदर्शन के बाद पोलार्ड की मांग काफी बढ़ गई थी। उन्होंने मुंबई के लिए लंबे समय तक खिलाड़ी के रूप में योगदान दिया और बाद में कोचिंग दल का हिस्सा बने। टीम की कार्यशैली और खिलाड़ियों के साथ पोलार्ड के मजबूत संबंधों को उनकी नियुक्ति का अहम कारण माना जा रहा है। उनकी रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या के साथ भी अच्छी समझ है। रोहित और हार्दिक

अलग-अलग दौर में मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर चुके हैं। ऐसे में अगले सत्र में टीम की रणनीति और कामकाज में पोलार्ड की भूमिका पर सबकी नजर रहेगी। टीम में कुछ बड़े खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों के बीच यह नियुक्ति और भी महत्वपूर्ण हो गई है। रोहित शर्मा की टीम के कामकाज में संभावित रूप से बढ़ती भूमिका के बीच यह देखना दिलचस्प होगा कि

पोलार्ड के नेतृत्व में मुंबई इंडियंस अगले सत्र के लिए किस तरह की योजना बनाती है। मुंबई इंडियंस की सह-मालकिन नीता एम. अंबानी ने पोलार्ड की नियुक्ति पर भरोसा जताते हुए कहा कि पोलार्ड अच्छी तरह जानते हैं कि मुंबई की जर्सी पहनने और टीम के लिए खेलने का क्या अर्थ है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पोलार्ड नई जिम्मेदारी में भी उसी प्रतिबद्धता, विश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ काम करेंगे। मुख्य कोच नियुक्त होने पर पोलार्ड ने इसे सम्मान की बात बताया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी और फिर कोच के रूप में इस सफर का हिस्सा रहने के कारण वह समझते हैं कि मुंबई इंडियंस किस चीज का प्रतिनिधित्व करती है और टीम के नीले व सुनहरे रंगों की जर्सी से जुड़ी जिम्मेदारी क्या है। अब पोलार्ड के सामने मुंबई इंडियंस को फिर से खिताब की दौड़ में मजबूत दवेदार बनाने की चुनौती होगी।

दिल्ली कैपिटल्स के स्पिन गेंदबाजी कोच की जिम्मेदार संभालेंगे अमित मिश्रा

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 सत्र के लिए पूर्व क्रिकेटर अमित मिश्रा को स्पिन गेंदबाजी कोच बनाया है। मिश्रा ने भारतीय टीम की ओर 22 टेस्ट 36 एकदिवसीय और 10 टी20 खेले हैं। इसके अलावा आईपीएल में अलग-अलग फ्रेंचाइजी की ओर से 162 मैच खेले हैं। सितंबर 2026 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से अब वह कोच की भूमिका में उतरे हैं। अपने खेल करियर के दौरान इस क्रिकेटर ने दिल्ली डेयरडेविल्स



(अब दिल्ली कैपिटल्स), डेक्कन चार्जर्स, सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेल है।

174 विकेटों के साथ ही वह आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट

लेने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। इसके अलावा इस लीग में सबसे ज्यादा तीन बार हैट्रिक लेने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। दिल्ली कैपिटल्स ने कहा है कि अब हमारे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी, अमित मिश्रा, स्पिन-गेंदबाजी कोच के तौर पर उतर रहे हैं। ऐसे में उसे स्पिन गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होने की उम्मीद है। वहीं गेंदबाजी कोच के तौर पर फ्रेंचाइजी ने श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर चामिंडा वास को रखा है। वहीं मुख्य कोच सौरव गांगुली हैं। टीम ने इसके अलावा युवराज सिंह को सहायक और बल्लेबाजी कोच बनाया है।

प्रतिबंध के कारण बिग बैश लीग के पहले मैच से बाहर रहेंगी मेगन

एजेंसी, सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की की तेज गेंदबाज मेगन शट महिला बिग बैश लीग में 31 अक्टूबर को एंडिलेड स्टाड्स के खिलाफ होने वाले पहले मुकाबले से बाहर रहेंगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने मेगन को दवा के इस्तेमाल से जुड़े नियमों को तोड़ने के कारण प्रतिबंधित कर दिया था। इसी कारण वह न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए अंतिम टी20 मैच के लिए शामिल नहीं की गयी थीं हालांकि ये मैच हालांकि बारिश के कारण रद्द हो गया था। सीएक के अनुसार मेगान ने दवा के इस्तेमाल से जुड़े नियमों का सही से पालन नहीं किया। साथ ही कहा कि मेगन को लेकर है कि यह मामला केवल एक घटना से जुड़ा है, जो प्रतियोगिता से बाहर के समय हुई थी। ये प्रदर्शन बेहतर करने वाली प्रतिंधित दवाओं के इस्तेमाल से जुड़ा मामला नहीं है हालांकि नियमों का पालन नहीं करने के कारण ही उन्हें निलंबित किया गया है। सीए के अनुसार क्रिकेटर से खेल विज्ञान और खेल चिकित्सा से जुड़े दिशा-निर्देशों के तहत दवाओं के इस्तेमाल नहीं किया जबकि खिलाड़ियों को इन नियमों के बारे में नियमित रूप से जानकारी दी जाती है। ऐसे में हर खिलाड़ी की जिम्मेदारी होती है कि वह दवाओं से जुड़े नियमों को समझे और उनका पालन करे।

बिजनेस

कार्डेलिया स्काई की पहली कमर्शियल सेलिंग शुरू, जानें इसकी खासियत

■ समंदर में लगजरी सफर का नया एक्सपीरिएंस, किराया और अन्य जानकारी

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की प्रीमियम क्रूज कंपनी कार्डेलिया क्रूज ने अपने नए जहाज 'कार्डेलिया स्काई' की भव्य लॉन्चिंग की है, जिसकी पहली कमर्शियल सेलिंग शुक्रवार से शुरू हो गई। इस मौके पर देशभर के बिजनेस पार्लनेर्स, मीडिया प्रतिनिधियों और इंडस्ट्री से जुड़े कई दिग्गजों की मौजूदगी रहे। इस कार्यक्रम में 1,500 से ज्यादा लोगों की मौजूदगी रही। म्यूजिक, लाइट्स और आधुनिक तकनीक से सजे इस आयोजन के जरिए कंपनी ने अपने नए क्रूज को पेश किया है। इसके साथ कार्डेलिया क्रूज ने 5 साल बाद अपने कारोबार का विस्तार करते हुए सिंगल शिप ऑपरेटर से



2 जहाजों वाले बेड़े की ओर कदम बढ़ाया है। इस कार्यक्रम में कंपनी ने अपने नए जहाज के स्वागत के साथ साल 2027 में आने वाले तीसरे क्रूज 'कार्डेलिया सन' को लाने की भी घोषणा की। कंपनी के प्रेसीडेंट और सीईओ युरगन बायलोम ने इस मौके पर आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि पांच साल पहले कार्डेलिया क्रूज की शुरुआत एक ऐसे सपने के साथ हुई थी, जिसमें क्रूज यात्रा को हर भारतीय के लिए छुट्टियां बिताने का

पसंदीदा विकल्प बनाना शामिल था। उन्होंने मीडिया को बताया कि साल 2021 में सर्विस शुरू करने के बाद से कार्डेलिया क्रूज अब तक 8 लाख से अधिक यात्रियों को सफर करा चुका है। नए जहाज कार्डेलिया स्काई के जुड़ने से कंपनी की कुल यात्री क्षमता में बड़ा इजाफा हुआ है। सीईओ बायलोम ने कहा कि कार्डेलिया स्काई और कार्डेलिया एग्सेस को मिलाकर अब बेड़े में 1,798 स्टे रुम्स उपलब्ध हैं। उन्होंने

कहा कहा कि डबल ऑक्यूपेंसी के आधार पर दोनों जहाजों में एक साथ 3,596 यात्री यात्रा कर सकते हैं। इस तरह कंपनी की यात्री क्षमता में पहले के मुकाबले करीब 126 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।बायलोम ने बताया कि जहाज पर खाने-पीने से लेकर मनोरंजन तक की सभी सुविधाएं कार्डेलिया स्काई को भारतीय यात्रियों की पसंद और जरूरतों के अनुरूप तैयार किया गया है।उन्होंने बताया कि जहाज पर भोजन के लिए कई विकल्प दिए गए हैं, जिनमें भारतीय व्यंजनों के अलावा इतालवी और अन्य अंतरराष्ट्रीय पकवान शामिल हैं। शाकाहारी यात्रियों और जैन समुदाय के लोगों के लिए भी विशेष भोजन की व्यवस्था की गई है। सफर को यादगार बनाने के लिए जहाज पर लाइव शो, थिएटर कार्यक्रम, फिटनेस और वेलनेस सेंटर जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। इसके साथ ही खेलकूद के लिए जगह और बच्चों के

मनोरंजन के लिए अलग प्ले एरिया भी तैयार किया गया है। कार्डेलिया स्काई की पहली कमर्शियल सेलिंग 23 अक्टूबर 2026 को मुंबई से शुरू होकर निम्नलिखित डेस्टिनेशन पर जाएगी, जिसमें कंपनी ने यात्रियों के लिए छोटे समुद्री सफर से लेकर लंबी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्राओं तक के विकल्प रखे हैं।शॉर्ट ब्रेक क्रूज:- यात्रियों के लिए 2 नाइट का समुद्री सफर उपलब्ध होगा, जिसमें वे कुछ समय समुद्र के बीच वित्त सकेंगे।गोवा और लक्षद्वीप रुट:- इस कैटेगरी में 3 रात का गोवा क्रूज, 4 रात का लक्षद्वीप क्रूज और 5 रात का गोवा-लक्षद्वीप सफर शामिल है।कंपनी के सीईओ ने बताया कि कार्डेलिया स्काई के मुंबई पहुंचने के बाद कंपनी का पहला जहाज 'Cordelia Empress' कोच्चि से भी परिचालन शुरू करेगा। कोच्चि को इसका नया होमपोर्ट बनाया जाएगा।

सहजानंद मेडिकल टेक की स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री, उतार-चढ़ाव के बावजूद मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों के विकास, निर्माण और बिक्री का काम करने वाली और सुप्रफ्लेक्स क्रूज, कोकून व हाइड्रा जैसे प्रमुख ब्रांड्स के जरिये मेडिकल सेक्टर में तकनीकी सेवाएं देने वाली कंपनी सहजानंद मेडिकल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयरों ने शुक्रवार को स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 344 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग लगभग 7 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 368.05 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग लगभग 8 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 371.15 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से यह शेयर कुछ ही पलों में उछल कर 409.95 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद बाजार में हुई मुनाफावसूली के कारण यह नीचे 346.65 रुपये के स्तर पर भी आया। बाजार में पूरे दिन हुई खरीद-बिक्री के बाद ये शेयर 378.20 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ



निवेशक प्रति शेयर 34.20 रुपये यानी 9.94 प्रतिशत के फायदे में थे। इस कंपनी का 475.48 करोड़ रुपये का आईपीओ 15 से 19 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिसाॉन्स मिला था, जिसके कारण यह ओवरऑल 10.28 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 34.68 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन-इन्स्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 14.61 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.97 गुना और कंपनी के कर्मचारियों के लिए रिजर्व

हिस्सा 0.37 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत एक रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,38,22,116 शेयर जारी किए गए हैं। यह पूरा का पूरा आईपीओ 100 प्रतिशत ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) विंडो के जरिये लाया गया था, जिसके तहत प्रमोटर्स और अन्य शेयर होल्डर्स ने अपनी हिस्सेदारी बेची है। इस प्रकार कंपनी को इस पब्लिक इश्यू से कोई सीधी फंडिंग प्राप्त नहीं होगी और यह पूरी राशि बेचने वाले प्रमोटर्स और पुराने शेयरहोल्डर्स के पास जाएगी। सहजानंद मेडिकल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए दस्तावेजों में उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक कंपनी की वित्तीय स्थिति में पिछले तीन वित्त वर्षों के दौरान शानदार सुधार हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 7.35 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में सुधरकर 25.15 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ (प्रॉफिट आफ्टर टैक्स) के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ 175 प्रतिशत उछलकर 69.08 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

स्टॉक मार्केट में टोंबो इमेजिंग इंडिया की मजबूत शुरुआत, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

एडवॉर्ड्स इलेक्ट्रो-ऑप्टिक, इन्फ्रारेड और सर्विलंस सिस्टम डिजाइन और निर्माण करने वाली कंपनी टोंबो इमेजिंग इंडिया लिमिटेड के शेयरों ने शुक्रवार को स्टॉक मार्केट में शानदार शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को गदगद कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 700 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 66 प्रतिशत के बंपर प्रीमियम के साथ 1,162 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 65.71 प्रतिशत के भारी प्रीमियम के साथ 1,160 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद निवेशकों की ताबड़तोड़



लिवाली के सपोर्ट से यह शेयर कुछ ही देर में उछल कर 1,211 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद बाजार में हुई मुनाफावसूली के कारण यह 1,013.95 रुपये के निचले स्तर तक भी आया। बाजार में दिन भर हुई खरीद-बिक्री के बाद यह शेयर 1,133.65 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 433.65 रुपये यानी 61.95 प्रतिशत का फायदा हो गया।

इस कंपनी का 852.09 करोड़ रुपये का आईपीओ 15 से 19 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिसाॉन्स मिला था, जिसके कारण यह ओवरऑल 94.81 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 293.11 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 169.55 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 29.99 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.92 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आया था।

एजेंसी, नई दिल्ली मैकेनिकल और इलेक्ट्रो-मैकेनिकल पावर ट्रांसमिशन व इंस्ट्रियल ड्राइव सॉल्यूशंस प्रदान करने और विभिन्न उद्योगों के लिए हार्ड-प्रेसिजन गियरबॉक्स व ड्राइव सिस्टम का निर्माण करने वाली देश की दिग्गज कंपनी बोनफिग्लियोली ट्रांसमिशन लिमिटेड के शेयरों ने शुक्रवार को स्टॉक मार्केट में फ्लट एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों की निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 586 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार-चढ़ाव के बिन्कुल सपाट स्तर पर यानी 586 रुपये पर ही हुई। सपाट लिस्टिंग के लिए रिजर्व पोर्शन में 237.87 करोड़ रुपये के शेयरों ने पहचान

शेयर कुछ ही देर में उछल कर 607 रुपये के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि इसके बाद मुनाफावसूली का दौर शुरू हो जाने के कारण यह टूटकर 527.40 रुपये के निचले स्तर तक गिर गया। बाजार में दिन भर हुई खरीद-बिक्री के बाद यह शेयर 576.35 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 9.65 रुपये यानी 1.65 प्रतिशत के नुकसान में रहे। इस कंपनी का 2,533.66 करोड़ रुपये का बड़ा आईपीओ 15 से 19 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से बेहद शानदार रिसाॉन्स मिला था, जिसके कारण यह ओवरऑल 32.50 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड



इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 120.68 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन-इन्स्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 40.39 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 5.90 गुना और कर्मचारियों का हिस्सा 0.97 गुना सब्सक्राइब हुआ

था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 4,32,39,042 शेयर जारी किए गए हैं। यह पूरा का पूरा आईपीओ 100 प्रतिशत ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) विंडो के जरिये लाया गया था, जिसके तहत इसकी सेंट कंपनी 'बोनफिग्लियोली एस्पपीए' ने अपनी हिस्सेदारी बेची है। चूंकि यह पूरी तरह से ओएफएस है, इसलिए आईपीओ

से मिलने वाली पूरी रकम बेचने वाले शेयरधारक के पास जाएगी और कंपनी को कोई नई कैपिटल या फंडिंग हासिल नहीं होगी। बोनफिग्लियोली ट्रांसमिशन लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए दस्तावेजों में उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक कंपनी की वित्तीय सेहत में पिछले तीन वित्त वर्षों के दौरान लगातार मजबूत सुधार हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 148.49 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ (प्रॉफिट आफ्टर टैक्स) हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 195.16 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछलकर 237.87 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।



विजय के स्कूल का दौरा कर रश्मिका ने लिखा दिल छू लेने वाला नोट

हा हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने पुट्टपर्थी के उस स्कूल का दौरा किया, जहां अभिनेता विजय देवरकोंडा ने अपने बचपन के दिन बिताए थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी इस यात्रा के बारे में एक दिल छू लेने वाला नोट साझा किया है। अभिनेत्री रश्मिका ने इस दौरे को एक ऐसी अधूरी पहेली को पूरा करने जैसा बताया, जिसके बारे में उन्होंने विजय और उनके दोस्तों से बहुत कुछ सुना था, लेकिन वह जगह उन्होंने कभी देखी नहीं थी। रश्मिका ने बताया कि पिछले कई सालों से उन्होंने विजय के बचपन, उनके स्कूली दिनों और दोस्तों के बारे में बहुत सी बातें सुनी थीं। उन्होंने लिखा, उनके सभी दोस्त स्कूल के समय के हैं और उन्होंने पुट्टपर्थी में पढ़ाई की है। इसलिए मैं हमेशा उन्हें पर्थी बॉयज एंड गर्ल्स कहकर बुलाती हूँ और अब वे मेरे भी बहुत अच्छे दोस्त बन गए हैं। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी जगह थी जिसके बारे में बहुत कुछ सुनने के बावजूद वह कभी वहाँ गई नहीं थीं, इसलिए उन्हें हमेशा लगता था जैसे कोई पहेली अधूरी रह गई हो।

आखिरकार, उन्हें पुट्टपर्थी जाने का एक बहुत ही सुंदर अवसर मिला, जहाँ उन्होंने उस स्कूल को देखा जहाँ विजय ने पढ़ाई की थी, उनके क्लासरूम और हॉस्टल भी देखे। अपनी यात्रा के दौरान, रश्मिका को एचएम आंटी सहित कई प्यारे लोगों से मिलने का मौका मिला। उन्होंने कहा, वहाँ जाकर मुझे जो शांति मिली, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उस जगह में कुछ तो ऐसा था जिसने मेरे दिल को बहुत सुकून दिया सब कुछ बहुत ही सुंदर और दिव्य लग रहा था। मंदाना ने आगे कहा कि वह हमेशा सोचती थीं कि विजय, आनंद और पुट्टपर्थी के उन सभी

दोस्तों में इतनी एक जैसी अच्छी बातें (जैसे उनका स्वभाव, लोगों के साथ उनका बर्ताव, प्यार और दयालुता में उनका विश्वास) कैसे हैं। जब वह उनके स्कूल गई, तो उन्हें समझ आया कि ये सब गुण कहीं से आते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बचपन में हम जिन जगहों पर बड़े होते हैं, जिन लोगों के साथ समय बिताते हैं और हमारे माता-पिता व शिक्षक हमें जो सीख देते हैं, वे सब हमारे व्यक्तित्व का एक बहुत बड़ा हिस्सा बन जाते हैं। छोटे-छोटे बच्चों को इतनी श्रद्धा के साथ वेद और भजन गाते हुए देखा, उनके श्लोकों को जानना और पूरे दिल से उनका जाप करते हुए देखना, इसने उन्हें सच में बहुत गहराई से छुआ। मंदाना ने कहा कि सब से प्यार करो, सबकी सेवा करो की सीख हमेशा से उनके दिल के बहुत करीब रही है। इस छोटे से अनुभव ने उनके अंदर ढेर सारा प्यार, कृतज्ञता और शांति भर दी है। 'पुण्या' फेम अभिनेत्री ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा कि शायद स्वामी चाहते थे कि वह अपने जीवन के इस पड़ाव पर पुट्टपर्थी आएँ, क्योंकि शायद यही सही समय था। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ जगहें आपको बिना बताए ही बहुत कुछ सिखा देती हैं।

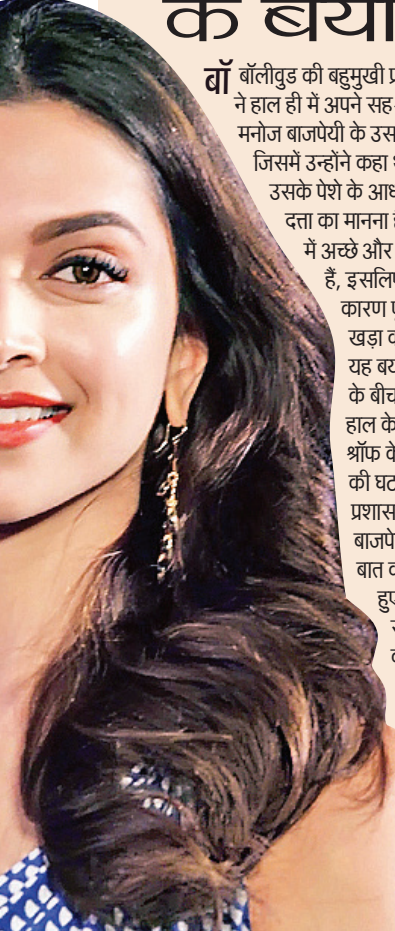
छोटी बेटी देवी के साथ दीपिका-रणवीर का रॉयल डेब्यू



वॉ बॉलीवुड के पावर कपल दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने हाल ही में अपनी छोटी बेटी देवी के साथ पहली फैंमिली फोटो साझा कर फैस को मंत्रमुग्ध कर दिया। मसानवमी और दशहरा के शुभ मौके पर साझा की गई तस्वीर में उनकी बड़ी बेटी दुआ भी नजर आई, साथ ही उन्होंने अपनी नवजात बेटी का नाम देवी पादुकोण सिंह घोषित किया। इस खास मौके पर पूरा परिवार हाउस ऑफ़ मसाबा के डिजाइन किए गए मैचिंग एथनिक आउटफिट्स में नजर आया। आइवरी, पीच और गोल्डन शेड्स में सजे इन परिधानों ने तस्वीर को

और भी मनमोहक बना दिया। फैंमिली फोटो में सबसे ज़्यादा ध्यान दीपिका पादुकोण का रॉयल लुक खींच रहा था। उन्होंने नूर बन गए नामक आइवरी रंग का कुर्ता सेंट पहना था, जिसकी कीमत 90,000 है। इस कुर्ते को बारीक गोल्डन जरी और ज़रदोजी की कढ़ाई से सजाया गया था, जबकि पीच कलर का पैचवर्क और क्रशड टिश्यू फैब्रिक का दुपट्टा उनके लुक में चार चांद लगा रहा था। दीपिका ने चटख रंगों के बजाय हल्के और सॉफ्ट शेड्स चुने थे, जो उनके फेस्टिव लुक को एक वलासी अंदाज़ दे रहे थे। रणवीर ने भी आइवरी सिल्क का वलासी कुर्ता सेंट

पहनकर दीपिका के लुक से तालमेल बिठाया, जो उनके क्रीम और पीच रंग के आउटफिट्स के साथ खूबसूरती से मेल खा रहा था। उनकी बड़ी बेटी दुआ पीच कलर के टिश्यू और सिल्क कुर्ता सेंट में बेहद प्यारी लग रही थीं, जो हाउस ऑफ़ मसाबा का ही था। तस्वीर में वह अपनी छोटी बहन देवी को प्यार से चूमती दिख रही थीं। वहीं, परिवार की सबसे छोटी सदस्य देवी को एक मुलायम टिश्यू स्वेडल में लपेटा गया था, जिस पर दिल के आकार के टैसल्स लगे थे। देवी का यह प्यारा सा लुक परिवार के बाकी सदस्यों के आइवरी और पीच रंग के आउटफिट्स के साथ खूबसूरती से कंबाइन हो रहा था, जिससे यह फैंमिली फोटो सचमुच एक यादगार पल बन गई।



दिव्या दत्ता ने मनोज बाजपेयी के बयान का किया समर्थन

वॉ बॉलीवुड की बहुमुखी प्रतिभा की धनी अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने हाल ही में अपने सह-कलाकार और वरिष्ठ अभिनेता मनोज बाजपेयी के उस बयान का पूर्ण समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि किसी भी व्यक्ति को केवल उसके पेशे के आधार पर आंकना सही नहीं है। दिव्या दत्ता का मानना है कि समाज में हर क्षेत्र और पेशे में अच्छे और बुरे दोनों तरह के लोग मौजूद होते हैं, इसलिए कुछ व्यक्तियों की गलतियों के कारण पूरे विभाग या संस्था को कठघरे में खड़ा करना न्यायसंगत नहीं है। उनका यह बयान फिल्म उद्योग और आम जनता के बीच एक नई चर्चा को जन्म दे रहा है। हाल के दिनों में मुंबई में अभिनेता टाइगर श्राॉफ के आवास के बाहर हुई गोलीबारी की घटना और दिल्ली-मुंबई में पुलिस प्रशासन की आलोचना के संदर्भ में मनोज बाजपेयी ने निष्पक्ष दृष्टिकोण रखने की बात कही थी। उसी मुद्दे पर आगे बढ़ते हुए दिव्या दत्ता ने कहा कि मनुष्य का स्वभाव अक्सर ऐसा होता है कि वह अच्छी और सकारात्मक बातों को नजरअंदाज कर देता है और नकारात्मक चीजों की ओर बहुत तेजी से आकर्षित होता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक हम किसी व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से नहीं जान लेते, तब तक केवल उसकी



वर्दी या उसके पेशे को देखकर उसके चरित्र का फैसला करना अनुचित है। दिव्या दत्ता ने इस बात पर चिंता जताई कि आजकल लोग सकारात्मक पहलुओं को पीछे छोड़कर नकारात्मक खबरों को जल्दी पकड़ लेते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस ही या कोई अन्य पेशा, उसमें कई ऐसे लोग होते हैं जो अपने कर्तव्य का पालन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करते हैं। ऐसे में कुछ काली भेड़ों की वजह से पूरे तंत्र पर सवाल उठाना उन लोगों के मनोबल को तोड़ता है जो दिन-रात निर्यात भाव से समाज की सेवा में लगे हुए हैं। इसलिए समाज को अपना नजरिया बदलने की सख्त जरूरत है। काम की बात करें तो दिव्या दत्ता और मनोज बाजपेयी के साथ फिल्म गजब रात में अभिनय करते नजर आईं। इस फिल्म को लेकर पहले काफी विवाद हुआ था और इसका शुरुआती शीर्षक घूसखोर पंडित रखा गया था, जिसे बाद में जनभावनाओं का सम्मान करते हुए बदलकर गजब रात कर दिया गया। रितेश शाह के निर्देशन में बनी और प्रसिद्ध निर्माता नीरज पांडे की कंपनी फ़ाइट्स स्टोरीटेलर्स द्वारा निर्मित यह फिल्म चर्चा का विषय बनी हुई है।



नाना ने 5 साल तक नहीं की थी पिता जी से बात : सलमान खान

बताया कि जब उनके माता-पिता की शादी हुई थी, तब किसी धर्म को लेकर कोई दिक्कत नहीं थी, बल्कि असली वजह कुछ और ही थी। सलमान ने बताया कि उनके नाना इस बात से नाराज थे कि उनकी बेटी की शादी एक ऐसे मुड़ लुकिंग इंसान से हो रही है जो एक्टर बनना चाहता है और फिल्म इंडस्ट्री में हाथ आजमा रहा है। नाना को इसी बात पर सबसे बड़ा एतराज था। सलमान ने आगे बात करते हुए बताया कि उनके नाना को हमेशा यही डर सताता रहता था कि उनकी बेटी इस फिल्मी माहौल में अपना जीवन कैसे बिताएगी। इसी नाराजगी के चलते उन्होंने सलीम खान से पाँच साल तक दूरी बनाए रखी और बातचीत बंद कर दी थी। एक्टर ने यह भी साझा किया कि जब उनके छोटे भाई सोहेल खान का जन्म हुआ, तब उनके नाना माहिम से बांझ आए थे। वह अपने साथ जलेबी का डिब्बा लेकर आए थे और उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया था कि उनसे बहुत बड़ी भूल हो गई कि उन्होंने अपने नाती-नातिन को बचपन में बड़े होते हुए नहीं देखा।



क्या एरोबिक्स से दिमाग की सेहत पर पड़ता है सकारात्मक प्रभाव? जानिए सही जानकारी

ए एरोबिक्स एक प्रकार की शारीरिक गतिविधि है, जो दिल और फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाने में मदद करती है। यह एक्सरसाइज न केवल शारीरिक सेहत के लिए, बल्कि मानसिक सेहत के लिए भी फायदेमंद है। एरोबिक्स के दौरान शरीर में एंडोर्फिन नामक हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जो तनाव को कम करता है और मन को खुश रखता है। आइए जानते हैं कि एरोबिक्स से दिमाग की सेहत पर क्या-क्या सकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। तनाव को कम करने में है सहायक : एरोबिक्स करने से तनाव के हार्मोन का स्तर कम होता है, जिससे मन शांत रहता है। नियमित रूप से एरोबिक्स करने वाले लोग तनाव और चिंता से बेहतर तरीके से निपटते हैं। इसके अलावा एरोबिक्स से दिमाग में खून का प्रवाह बढ़ता है, जिससे दिमाग को अधिक ऑक्सीजन मिलता है और वह बेहतर तरीके से काम करता है। इस प्रकार एरोबिक्स न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक सेहत के लिए भी लाभकारी है। एरोबिक्स करने से मनोदशा में भी सुधार होता है। यह खुशी

याददाश्त में सुधार

एरोबिक्स से याददाश्त भी बेहतर होती है। यह दिमाग को उस हिस्से को सक्रिय रखता है, जो याददाश्त के लिए जरूरी होता है। नियमित एरोबिक्स करने से उम्र बढ़ने पर भी याददाश्त पर सकारात्मक असर पड़ता है और भूलने की बीमारी का खतरा कम होता है। एरोबिक्स दिमाग की कोशिकाओं को मजबूत करता है, जिससे याददाश्त में सुधार होता है। इसके अलावा एरोबिक्स से दिमाग को अधिक ऑक्सीजन मिलती है, जो याददाश्त के लिए फायदेमंद है।

और संतोष का अनुभव कराता है, जिससे आपके मानसिक स्वास्थ्य पर अच्छा असर पड़ता है। नियमित रूप से एरोबिक्स करने वाले लोग अधिक खुश और संतुष्ट महसूस करते हैं। इसके अलावा एरोबिक्स से दिमाग की कोशिकाओं को मजबूती मिलती है, जिससे मानसिक सेहत बेहतर होती है। इस प्रकार एरोबिक्स न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक सेहत के लिए भी लाभकारी है।

नींद की गुणवत्ता में सुधार : एरोबिक्स करने से नींद की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। यह शरीर को थका देता है, जिससे नींद जल्दी आती है और गहरी होती है। नियमित एरोबिक्स करने वाले लोग अधिक तरोताजा महसूस करते हैं। इसके अलावा एरोबिक्स से शरीर में एक खास हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जो अच्छी नींद के लिए जरूरी होता है। एरोबिक्स से दिमाग की कोशिकाओं को मजबूती मिलती है, जिससे मानसिक सेहत बेहतर होती है। आत्मविश्वास बढ़ाने में है मददगार : एरोबिक्स करने से आत्मविश्वास भी बढ़ता है। जब हम नियमित रूप से किसी गतिविधि को करते रहते हैं तो उसमें हमारी महारत बढ़ती जाती है। इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है और हम नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं। इस प्रकार एरोबिक्स न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक सेहत के लिए भी लाभकारी होता है। इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करके आप एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।



BRIFF NEWS

Inauguration and foundation stone laying of 43 projects including the country's largest sewage plant in Delhi



New Delhi, Agency. Union Home Minister Amit Shah inaugurated and laid the foundation stone of 43 projects costing Rs 8941.22 crore related to Yamuna rejuvenation and water supply at a program organized in Phase One, Shyam Nagar.

He praised Chief Minister Rekha Gupta and Water Minister Pravesh Verma for the work being done by the Delhi Government regarding the cleaning of Yamuna. He said that due to the failure of the previous Congress and AAP government, Yamuna became dilapidated.

With the inauguration of the country's largest sewage treatment plant (STP) in Okhla, it will help in treating sewage coming from South and Central Delhi. Built at a cost of Rs 1161 crore, the capacity of this STP is 124 million gallons per day (MGD).

Water supply in Delhi will improve

Shah also inaugurated a water treatment plant (WTP) of 477 million liters per day (MLD) capacity built at a cost of Rs 298.3 crore in Chandrawal.

With the start of this new WTP replacing the old Chandrawal One and Two WTPs established in 1935 and 1955, about 22 lakh people of assembly constituencies including Sadar Bazar, Chandni Chowk, Matia Mahal, Ballimaran, Karol Bagh, Patel Nagar, Rajinder Nagar and New Delhi will benefit.

Delhi Traffic Police strict on pollution: Now monitoring will be done through WhatsApp



New Delhi, Agency. Amid the implementation of the first phase of the Graded Response Action Plan (GRAP) to control air pollution in the capital, Delhi Traffic Police has prepared to increase coordination with neighboring states.

Under this, a separate WhatsApp group will be created for quick information sharing between concerned police and departments. Also, emphasis has been laid on stopping interstate buses violating pollution rules at the borders before entering Delhi and diverting them to other routes.

These instructions were given in the interstate coordination meeting held on Thursday under the chairmanship of Special Commissioner of Police (Traffic) Ajay Chaudhary at the Police Headquarters. Representatives of police of neighboring states and districts and concerned departments participated in it.

In the meeting, emphasis was laid on implementing the directions of the Commission for Air Quality Management (CAQM) in a time-bound manner on a priority basis. The meeting also reviewed the entry restrictions applicable on vehicles registered outside Delhi from November 1, 2026 to January 31, 2027.

Restrictions will apply subject to relevant exemptions and prescribed conditions.

Trade Fair to be held at Pragati Maidan from November 13, glimpse of Delhi's development to be seen in a budget of 75 lakhs

New Delhi, Agency. This time 75 lakh rupees will be spent on decorating and sprucing up the Delhi Pavilion in the India International Trade Fair. The Delhi State Industrial and Infrastructure Development Corporation has issued a tender for this.

The responsibility of preparing the layout along with the external and internal decoration of the pavilion and related services will be given to the selected agency. The theme of the fair to



be held at Pragati Maidan from November 13 to 27 has been kept as 'Development and Heritage'. The last date for submitting the tender is November 2. Technical proposals will be examined after presentation on November 3.

How much was spent in 2025?

Last year i.e. 2025, it cost about 1.85 crore to prepare and display the Delhi Pavilion of the Delhi Government in the India International Trade Fair held at Bharat Mandapam (Pragati Maidan). This budget was man-

aged by the Delhi Government's infrastructure agency Delhi State Industrial and Infrastructure Development Corporation.

Theme of 'Ek Bharat Shreshtha Bharat'

Last year, this pavilion was designed on the lines of the grandeur of the Red Fort under the 'Ek Bharat Shreshtha Bharat' theme, in which women and Scheduled Caste/Scheduled Tribe entrepreneurs were given specially subsidized stalls to display their products.

Red Corner Notice issued against Russian woman who fled India with son, Delhi Police begins extradition preparations

South Delhi, Agency. In a case related to the joint custody of her minor son, Delhi Police has submitted a status report in Saket Court. The report states that an Interpol Red Corner Notice has been issued against Victoria Basu, who took her son and went to Russia.

The police have also started the extradition process to bring the woman back to India. The police action in the matter has now reached the international level.

Extradition request sent to Ministry of Home Affairs

According to the report filed before the Judicial Magistrate by the police of Defense Colony police station, the extradition request has been sent to the Ministry of Home Affairs. It will be taken forward through the Ministry of External Affairs and the Indian Embassy in Moscow.



At the same time, the police have also contacted Yash Raj Films to gather information regarding co-accused Natasha in the case. Citing pending verification of documents provided by the complainant, the investigating officer has sought additional time to file the final report.

What is the whole matter? This matter is related to the ongoing custody dispute between Saikat Basu and

Victoria over their son. The son was born on October 29, 2020. Victoria had demanded full custody of her son in the Supreme Court in 2023. In May 2025, the Supreme Court had arranged for joint custody.

After this, in July 2025, Saikat had informed the police about the woman disappearing with the son. Now, in the report filed in Saket Court, the police have detailed their latest action.

AQI 267 recorded in Kalindi Kunj of Delhi, toxic air will torment for 5 days, 5 major restrictions from November 1

New Delhi, Agency. Air pollution can persist for five days if weather conditions are not favorable in Delhi. Due to the slow dispersion rate of pollutants present in the air, they remain accumulated in the atmosphere for a long time. A study conducted on Delhi's air quality has identified temperature as the most important seasonal factor affecting pollution fluctuations. According to the study, to control pollution, instead of relying solely on the weather, it is necessary to curb emission sources.

The Air Quality Index was recorded at 267 in the Kalindi Kunj area of Delhi on Friday. According to the Central Pollution Control Board, this air condition falls in the 'poor' category.

Analysis done from 2017 to December 2024

This study, published in the Environmental Pollution Journal, analyzed Air Quality Index (AQI) and meteorological data from January 2017 to December 2024. Researchers from Jamia Millia Islamia, Delhi Pollution Control Committee (DPCC) and Central Pollution Control Board (CPCB) have studied the effects of temperature, rainfall, humidity and wind speed. According to the study, Delhi's average AQI during the eight years remained around 210, which falls in the poor category. The average AQI of the year 2024 was 8.14 percent lower compared to 2017, but severe spells of pollution persisted in winters.



According to researchers, the situation was worst in November. In this month, 53.8 percent days were recorded in the very poor category and 24.6 percent days in the severe category. In contrast, air quality improved in July and August due to rain. Rain helps in removing pollutants from the atmosphere as well as preventing road dust from re-suspending.

- Key statistics of the study**
- Decline in average AQI in 2024 (compared to 2017): 8.14 percent
 - Effect of previous AQI in first five days: 93.3 percent
 - Effect of previous AQI up to 16th day: 81.1 percent
 - Share of temperature in AQI change: 13.2 percent
 - Very poor category days in November: 53.8 percent
 - Severe category days in November: 24.6 percent
 - Satisfactory air days in July: 62.7 percent
 - Satisfactory air days in August: 60.5 percent
- Researchers have recommended strengthening public transport, increasing the use of electric buses and taxis, and better coordination among states to ban stubble burning.

'Dry run' will be done even before surgery, doctors will make digital map of bone with new technology

New Delhi, Agency. Where to cut the bone for surgery, in which direction to drill or where to place the implant, everything can be decided in advance. This can be done by making a digital map of the bone based on CT scan using 3D technology.

From this, a 'surgical guide' for difficult surgery can be made according to the shape of the bone, a dry run of which doctors can do before surgery to know what and what kind of trouble will come during the



operation. This surgical guide is according to the patient's bone, which helps the doctor in keeping the hole or mark, drill or cutting tool at the right place.

It can also be used with robotic or navigation technology. **Digital map from CT scan** A 3D map of the bone is

prepared by connecting CT scan images with computer software. Through this, doctors can see from different angles and decide the cut location, drill direction and implant location. Even in complex cases, the length, number and size of the implant or screw can be decided in advance.

Surgical guide for doctors

In this, the design of the surgical guide for doctors is prepared based on the surgery plan. This helps in understanding the potential

challenges coming during the operation beforehand.

It is very useful in knee, shoulder replacement, complex fractures, bone deformity, major defects and revision surgeries. According to Dr. Gaurav Prakash Bhardwaj, Director and Senior Consultant, Sports Injury, Joint Preservation and Replacement Surgery, this has made operations simpler and the patient also knows in advance what and how will happen in his body during surgery.

Useful in dental implants also

According to dental expert and member of Dental Advisory Council of National Dental Commission Dr. Vivek Kumar, in dental implants, understanding the structure of teeth and jaw using 3D technology helps in deciding the correct location and direction of the implant. Special implant planning can also be done in complex cases. The guide can be used with robotic or navigation technology.

Customer slaps delivery boy over a torn 10 rupee note, distressed delivery boy commits suicide

New Delhi, Agency. Sameer Hussain, who delivered goods from door to door on a cycle to feed his family, would never have thought that he would be harassed to this extent for refusing to accept a torn 10 rupee note.

It is alleged that he was beaten up brutally for refusing to take the note. Hurt by this incident, Sameer expressed the pain of the assault on him by making several videos on his mobile.

On October 5, while making a video in a park, he consumed poisonous substance. After struggling for life for 16 days, he died on October 20 at LBS Hospital.

Kalyanpuri police station has registered a



case under various sections including abetment to suicide and arrested accused Rampal Choudhary and his son Rakesh Choudhary. Sameer Hussain lived with his family in Khichripur village. His family includes several members, including his father Zakir Hussain. He worked as a delivery boy on a cycle in Flipkart. According to the company's rules, a torn note was not to be

accepted. On the night of October 4, Sameer had gone to Rampal Choudhary's house in Khichripur, Gali Number-3 to deliver a coffee packet worth about 150 rupees. According to the video made on Sameer's mobile, Rampal gave him a torn 10-rupee note. When Sameer refused to take the note, it is alleged that Rampal abused him and called his son Rakesh.

Balcony of a dilapidated house collapses at Welcome Photo Chowk in Delhi

New Delhi, Agency. A woman and a six-year-old child were injured after the balcony of a dilapidated house collapsed at Welcome Photo Chowk in East Delhi. Both injured were admitted to GTB Hospital via ambulance, where they are undergoing treatment.

Two women were trapped inside the house due to the exit route being blocked. As soon as the information was received, the fire department team arrived. The fire department rescued them from outside by putting up a ladder.

Admitted to hospital The fire department team stated that information was



received at 11 pm on Thursday that two people were injured due to the collapse of the house's balcony. The police admitted the injured woman Zoya and the child to the hospital. About 15 people live in this house.

House not declared dangerous

The municipal corporation had not declared the house dangerous. Investigation revealed that a toilet was built on the balcony. The accident happened due

Yamuna will remain at the center of Delhi's politics, Amit Shah sets 2029 agenda with Rs 8941 crore mega plan

New Delhi, Agency. Cleaning of Yamuna has been an electoral promise in Delhi for decades, but the condition of the river has not improved. Now BJP has set a target of not keeping it limited to a mere announcement and presenting it as its achievement in the next Lok Sabha elections.

Union Home Minister Amit Shah, by



inaugurating and laying the foundation stone of projects worth Rs 8941 crore on Thursday, made it clear that making Yamuna clean is a priority of both the Delhi

Government and the BJP organization. By announcing to go among the public on the basis of fulfilling the promise of clean Yamuna in the Lok Sabha elections of May 2029, he gave a clear message to the government and the organization that concrete results must be delivered in this direction.

Whom did Amit Shah blame for the pitiable condition of

Yamuna? In a program organized in Shyam Vihar of Matiala assembly constituency, Amit Shah blamed AAP and Congress for the pitiable condition of Yamuna. He said that a clean Yamuna is the resolve of Prime Minister Narendra Modi. To fulfill this, Delhi, the Central Government, Haryana and Uttar Pradesh are working like a single unit.